CMYK

चमकते सितारे

स्वतंत्र,निष्पक्ष और निर्भीक पत्रकारिता

E-mail: chamaktesitaare260@gmail.com

वर्ष- 01 | अंक-83 | PRGI. NO : RJHIN/25/A2299 | शुक्रवार, जयपुर, 12 दिसम्बर, 2025 | पृष्ठ-4 | मूल्य : 2 रुपए

अब तक रिकॉर्ड 92 हजार रुपए सरकारी नौकरी, 296 परीक्षाओं में एक भी पेपर लीक नहीं: सीएम भजनलाल

जयपुर। (चमकते सितारे) राज्य सरकार ने दो वर्षों में भर्ती परीक्षाओं के आयोजन को पारदर्शी बनाने की दिशा में ऐतिहासिक कदम उठाए हैं। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देश पर गठित एसआईटी (विशेष अनुसंधान दल) की सक्रिय भूमिका ने भर्ती परीक्षाओं में होने वाली गड़बड़ियों पर न केवल प्रभावी अंकुश लगाया, बल्कि दोषियों पर कड़ी कार्रवाई कर परीक्षा प्रणाली के प्रति युवाओं के विश्वास को भी बढ़ाया है। आज प्रदेश की भर्ती परीक्षा प्रणाली पूर्ण रूप से सुरक्षित बन रही है।

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक पुलिस एटीएस एवं एसओजी विशाल बंसल ने बताया कि एसआईटी के गठन के बाद से राजस्थान लोक सेवा आयोग, राजस्थान अधीनस्थ कर्मचारी चयन बोर्ड और अन्य भर्ती बोर्डों द्वारा 06 नवंबर 2025 तक कुल 296 छोटी-बड़ी परीक्षाएं सफलतापूर्वक आयोजित की गई और एक भी पेपर लीक नहीं हुआ। इसके अतिरिक्त केंद्र सरकार की अनेक भर्ती परीक्षाएं तथा विभिन्न सरकारी विभागों द्वारा आयोजित परीक्षाएं भी बिना किसी अनियमितता के सुचारू रूप से संपन्न हुईं।

एसआईटी की सक्रियता से परीक्षा प्रणाली हुई सुरक्षित

वर्तमान सरकार के कार्यकाल में भर्ती प्रणाली में विश्वसनीयता लौटी है। इसमें एसआईटी की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही है। एसआईटी की सक्रियता से पूरे तंत्र में अभूतपूर्व बदलाव आया है। परीक्षा लीक गिरोहों और नकल माफिया के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई कर एसआईटी ने परीक्षा प्रणाली को सुरक्षित बनाया है। उल्लेखनीय है कि राज्य सरकार ने पेपरलीक के मामलों की त्वरित जांच और दोषियों पर कठोर कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए 16 दिसंबर 2023 को एसआईटी (विशेष अनुसंधान दल) का गठन किया था।

138 एफआईआर दर्ज, 394 आरपित गिरफ्तार

एसआईटी के गठन के पश्चात डमी अभ्यर्थियों, फर्जी डिग्री और भर्ती परीक्षा संबंधी अन्य अनियमितता के संबंध में पुलिस थाना एसओजी ने 06 नवंबर 2025 तक कुल 138 एफआईआर दर्ज की हैं। इन सभी प्रकरणों में अब तक कुल 394 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है, जो संगठित अपराधों के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति को दर्शाता है।

हाई-प्रोफाइल मामलों में निर्णायक कार्रवाई

एडीजी बंसल ने बताया कि एसआईटी ने बड़े और हाई-प्रोफाइल मामलों में भी निर्णायक कार्रवाई की है। एसआई भर्ती परीक्षा-2021 में गड़बड़ी करने के आरोप में आरपीएससी के एक निलम्बित सदस्य और एक पूर्व सदस्य को गिरफ्तार किया गया। इस मामले में कुल 132 आरोपी गिरफ्तार किए गए, जिनमें 61 प्रशिक्षणरत उप निरीक्षक और 6 चयनित उपनिरीक्षक (जिन्होंने जॉइन नहीं किया) सहित 67 उप निरीक्षक शामिल हैं। इसके अलावा, जेल प्रहरी भर्ती परीक्षा 2018 में पेपर लीक के मुख्य आरोपी, टीसीएस कंपनी के प्रोजेक्ट मैनेजर जगजीत सिंह को भी गिरफ्तार किया गया है।

युवाओं को समयबद्ध रोजगार के लिए परीक्षा कैलेण्डर व्यवस्था

युवाओं को सरकारी नौकरियों का इंतजार नहीं करना पड़े, इसके लिए आरपीएससी और आरएसएसबी द्वारा परीक्षाओं का विस्तृत कैलेंडर जारी किया जा रहा है। इससे युवाओं को बड़ी राहत मिली है। अब वे परीक्षाओं की योजनाबद्ध तैयारी कर सकते है।

1.53 पदों पर भर्ती प्रक्रियाधीन

राज्य सरकार ने दो वर्ष के कार्यकाल में अब तक 92 हजार से अधिक नियुक्तियां प्रदान की है। यह पहली बार हुआ है जब इतनी बड़ी संख्या में नियुक्तियां दी गई और परीक्षाओं का संचालन पूर्ण पारदर्शिता के साथ हुआ। वर्तमान में 1.53 लाख पदों पर भर्ती प्रक्रियाधीन है।

नई शिक्षा नीति और एमएमटीटीसी केंद्र

उच्च शिक्षा को वैश्विक स्तर पर ले जाने का सशक्त माध्यम बन रहे हैं: मदन राठौड़

जयपुर। (चमकते सितारे) राज्यसभा में राजस्थान के वरिष्ठ भाजपा सांसद मदन राठौड़ ने उच्च शिक्षा की गुणवत्ता, शिक्षक प्रशिक्षण और नए भारत के ज्ञानङ्कविकास मॉडल से जुड़े अत्यंत महत्वपूर्ण प्रश्न संसद में उठाए। उन्होंने विशेष रूप से यह जानना चाहा कि देशभर में स्थापित मल्टीमॉडल टीचर ट्रेनिंग सेंटर्स (एमएमटीटीसी) किस प्रकार शिक्षक क्षमता निर्माण को मजबूत करने में भूमिका निभा रहे हैं और सामाजिकङ्कआर्थिक रूप से वंचित वर्गों के लिए क्या विशेष प्रावधान किए गए हैं। उनके द्वारा उठाए गए प्रश्नों ने न केवल शिक्षा सुधारों पर राष्ट्रीय विमर्श को नई दिशा दी, बल्कि मोदी सरकार की शिक्षाङ्कक्रांति को भी रेखांकित किया, जो "नए भारत" की नींव को और सुदृढ़ कर रही है।

शिक्षा मंत्रालय की ओर से मंत्रालय में राज्य मंत्री डॉ. सुकान्त मजूमदार ने दिए गए जवाब में बताया गया कि पांच सितंबर 2023 को पुनः शुरू की गई एमएमटीटीपी योजना के तहत देशभर में 151 एमएमटीटीसी केंद्र स्थापित और मान्यता प्राप्त किए जा चुके हैं, जहाँ देश के किसी भी उच्च शिक्षा संकाय सदस्य को आधुनिक और बहुआयामी प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जा रहा है। यह कदम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा प्रस्तुत राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के उस विज़न को मजबूत करता है, जिसमें शिक्षकङ्कप्रशिक्षण को शिक्षा सुधारों की सबसे महत्वपूर्ण धुरी माना गया है।

डॉ. सुकान्त मजूमदार ने यह भी बताया कि इस योजना में भारतीय ज्ञान परंपरा, मानसिक स्वास्थ्य एवं कल्याण, सामाजिकङ्कआर्थिक रूप से वंचित समूहों की शैक्षिक उन्नति, उद्यमिता कौशल, डिज़ाइनङ्कथिंकिंग, एसटीईएम, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, साइबर सुरक्षा और नेतृत्व विकास जैसे कई प्रमुख घटक शामिल हैं। इन विविध और गहन प्रशिक्षण मॉड्यूलों के माध्यम से उच्च शिक्षा के संकाय को वैश्विक मानकों पर तैयार करने का प्रयास किया जा रहा है। यह विस्तार दर्शाता है कि मोदी सरकार केवल शिक्षकों को प्रशिक्षित नहीं कर रही, बल्कि उन्हें भविष्य का ज्ञानङ्कनेता बनाने का लक्ष्य लेकर चल रही है।

सबसे उल्लेखनीय तथ्य यह है कि इस योजना के पुनः प्रारंभ होने के बाद अब तक 3.22 लाख से अधिक शिक्षक प्रशिक्षित हो चुके हैं, जो कि भारत की उच्च शिक्षा व्यवस्था में एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। सांसद मदन राठौड़ ने इस प्रगति को अत्यंत सराहनीय बताया और कहा कि 'सशक्त शिक्षक ही सशक्त भारत का निर्माण करते हैं, और मोदी सरकार इस दिशा में अभूतपूर्व कार्य कर रही है।

सांसद मदन राठौड़ ने कहा की शिक्षा सुधार केवल एक सरकारी योजना नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण का प्रमुख आधार हैं। उन्होंने विशेष रूप से यह कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में शिक्षा क्षेत्र में जो परिवर्तनकारी कदम उठाए जा रहे हैं, वे वास्तव में नए भारत की मजबूत नींव रख रहे हैं। राठौड़ ने इस बात की सराहना की कि मोदी सरकार शिक्षकङ्कप्रशिक्षण, भारतीय ज्ञानङ्कपरंपरा, आधुनिक कौशल और मानसिक स्वास्थ जैसे बहुआयामी क्षेत्रों पर एक साथ काम कर रही है, जिससे उच्च शिक्षा संस्थान वैश्विक मानकों की ओर तेज़ी से अग्रसर हो रहे हैं। उनके अनुसार, मोदी सरकार ने जिस पैमाने पर शिक्षा सुधारों को गति दी है, वह अभूतपूर्व है और आने वाली पीढ़ियों को एक उज्ज्वल भविष्य देने की दिशा में यह कदम अत्यंत प्रशंसनीय है। उनकी यह सकारात्मक प्रतिक्रिया स्पष्ट करती है कि वे मोदी सरकार की नीतियों को राष्ट्रहित में मजबूत, दूरदर्शी और परिवर्तनकारी मानते हैं।

प्रसिद्ध अभिनेता धर्मेन्द्र की याद में श्रद्धांजलि सभा आयोजित, अमित शाह सहित केन्द्रिय मंत्री पहुंचे

नई दिल्ली। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, केंद्रीय मंत्रियों, सांसदों और फिल्म जगत से जुड़े अन्य लोगों ने बुधवार को प्रसिद्ध अभिनेता धर्मेंद्र की स्मृति में दिल्ली के अंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित श्रद्धांजलि सभा में अपनी भावांजली अर्पित की। धर्मेंद्र की पत्नी और भाजपा सांसद हेमा मालिनी ने श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया था। उन्होंने कहा कि उनका जाना उनके लिए एक अपूरणीय व्यक्तिगत क्षति है। गृह मंत्री ने इस अवसर पर कहा कि धर्मेंद्र ने अपनी बेजोड़ अभिनय कला से देशवासियों के दिलों में अमिट स्थान बनाया और उनकी लोकप्रियता भाषा, क्षेत्र और पीढ़ियों की सीमाओं को पार कर जन-जन के मन में बस गई। उन्होंने कहा कि भारतीय सिनेमा जगत को इस महान अभिनेता की कमी हमेशा खलती रहेगी। उल्लेखनीय है कि प्रसिद्ध अभिनेता धर्मेंद्र दयोल का मुंबई में 24 नवंबर को 89 वर्ष की आयु में निधन हो गया था।

छात्राओं को पुलिस ने दिया आत्मरक्षा और साइबर सुरक्षा का प्रशिक्षण

जयपुर। (चमकते सितारे) पुलिस और युवाओं को जोड़ने के उद्देश्य से प्रदेश भर में चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत गुरुवार को गवर्नमेंट गर्ल्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल बस्सी में छात्राओं के लिए एक महत्वपूर्ण जागरूकता एवं क्षमता-विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा द्वारा दिए गए निर्देशों के अंतर्गत यह पहल युवा सशक्तिकरण की दिशा में एक बड़ा कदम है। यह कार्यक्रम अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कम्युनिटी पुलिसिंग सुनीता मीणा के कुशल नेतृत्व में संपन्न हुआ। इसमें छात्राओं को मुख्य रूप से आत्मरक्षा की तकनीकों का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। ताकि वे वास्तविक परिस्थितियों में स्वयं की सुरक्षा कर सकें। कालिका पेट्रोलिंग यूनिट की मास्टर ट्रेनर लाजवंती सुशीला व अन्य ने विभिन्न आत्मरक्षा तकनीकों का प्रभावशाली डेमो प्रस्तुत किया, जिसकी छात्राओं ने सराहना की।

प्रशिक्षण के दौरान छात्राओं को राजकॉप सिटीजन एप्प और विभिन्न महत्वपूर्ण हेल्पलाइन सेवाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। इसके अतिरिक्त महिलाओं से संबंधित महत्वपूर्ण कानूनी प्रावधानों, सुरक्षा उपायों और अपने अधिकारों के संरक्षण के विषय में भी गहनता से अवगत कराया गया। कार्यक्रम का एक प्रमुख हिस्सा साइबर सुरक्षा पर केंद्रित रहा। जहां छात्राओं को ऑनलाइन फ्रॉड, स्टॉकिंग और साइबर बुलिंग जैसी बढ़ती चुनौतियों से बचाव के लिए महत्वपूर्ण मार्गदर्शन दिया गया।

इस पहल को छात्राओं ने बेहद सकारात्मक प्रतिक्रिया दी। उनका कहना था कि ऐसे प्रशिक्षण से उनमें आत्मविश्वास का संचार होता है और वे अब पहले से कहीं अधिक जागरूक एवं सशक्त महसूस करती हैं। राजस्थान पुलिस की यह कम्युनिटी पुलिसिंग पहल युवाओं से सीधा संवाद स्थापित कर उन्हें सुरक्षित, जागरूक एवं सक्षम नागरिक बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण और सराहनीय प्रयास है।

इम्फाल में विस्थापित लोगों से मिलीं राष्ट्रपति मुर्मू, हर संभव सहायता का भरोसा

इम्फाल। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने आज इम्फाल में आंतरिक रूप से विस्थापित (आईडीपी) लोगों से मुलाकात की और उनकी स्थिति तथा आवश्यकताओं के बारे में विस्तार से जानकारी ली। बातचीत के दौरान उन्होंने आश्वस्त किया कि केंद्र सरकार हर समय उनके साथ खड़ी है और उनकी जरूरतों को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है। राष्ट्रपति ने कहा कि सरकार का सबसे बड़ा उद्देश्य इन परिवारों को सुरक्षित आवास, स्थायी आजीविका और उनके बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की गारंटी देना है। उन्होंने यह भी बताया कि केंद्र सरकार क्षेत्र में शांति और लगातार विकास का माहौल सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कदम उठा रही है। मुर्मू ने विस्थापित परिवारों से सामाजिक सद्भाव को मजबूत करने की अपील भी की। उन्होंने कहा कि सभी समुदायों के बीच सामंजस्य से ही स्थायी शांति और प्रगति का रास्ता प्रशस्त होगा।

सरकार के दो वर्ष पूर्ण होने पर नगर निगम के विभिन्न स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम

नगर निगम जयपुर ने प्रदूषण नियंत्रण के लिए विशेष टीमों का किया गठन

जयपुर। (चमकते सितारे) नगर निगम जयपुर की ओर से वर्तमान सरकार के 2 वर्ष का कार्यकाल पूर्ण होने के उपलक्ष्य में रविवार 14 दिसम्बर को प्रातः 10 बजे से नगर निगम जयपुर के क्षेत्राधिकार में स्वच्छता, नागरिक सहभागिता, जन-जागरूकता एवं सौंदर्यीकरण आधारित कार्यक्रमों का विशेष आयोजन किया जाएगा। नगर निगम आयुक्त गौरव सैनी ने बताया कि इन कार्यों के अन्तर्गत श्रमदान व कचरा संग्रहण अभियान, स्मारकों व मंदिरों की सफाई, विद्यालयों के माध्यम से जन जागरूकता, सौन्दर्यीकरण एवं रंगोली जैसे कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। यह सभी कार्यक्रम जोन स्तर पर भी आयोजित किए जायेगे।

श्रमदान व कचरा संग्रहण अभियान

प्रमुख स्थलों पर वृहत श्रमदान कार्यक्रम आयोजित करना, जिसमें जनप्रतिनिधि अधिकारी,कर्मचारी एवं जन समुदाय की भागीदारी सुनिश्चित करना। जन सहभागिता के माध्यम से सार्वजनिक स्थानों पर बिखरे पडे प्लास्टिक, अन्य कचरे का संग्रहण एवं निर्धारित प्रोसेसिंग प्लांट तक परिवहन की व्यवस्था। संग्रहित कचरे का निस्तारण सुनिश्चित करना।

स्मारकों एवं मंदिरों की सफाई के लिए अभियान

विभिन्न महत्वपूर्ण स्थलों, स्मारकों, मंदिर परिसर, प्रवेश मार्ग, परिक्रमा पथ, पार्किंग क्षेत्र एवं समीपवर्ती स्थानों की सफाई। पृथक कचरा संग्रह व्यवस्था (गीला,सूख पृथक्करण) पुष्प मालाओं एवं जैविक

अपशिष्ट का पृथक संग्रह

विद्यालयों के माध्यम से जन-जागरूकता

स्वच्छता रैली, चित्रकला प्रतियोगिता, स्वच्छता शपथ कार्यक्रम, सामुदायिक स्वच्छता परिसरों की सफाई, सामुदायिक शौचालयों एवं सार्वजनिक शौचालयों की सफाई, पिंक टॉयलेट की सफाई।

सौंदर्यीकरण एवं रंगोली

साफ-सफाई उपरान्त विभिन्न माध्यमों से सौंदर्यीकरण तथा नव उत्थान नई पहचान बढ़ता राजस्थान-हमारा राजस्थान आधारित रंगोली का निर्माण।

सिंगल यूज प्लास्टिक मुक्त जोन

प्रमुख स्थलों को सिंगल यूज प्लास्टिक मुक्त घोषित किया जाना। प्लास्टिक के विकल्प के रूप में कपड़े,कागज के थैलों,बैग का वितरण।

अरुणाचल सड़क हादसे में 21 मजदूरों की मौत, एक गंभीर रूप से घायल

इटानगर। अरुणाचल प्रदेश के अंजॉओ जिले के मेतेंगलियांग गांव के पास सड़क से फिसलकर एक ट्रक लगभग 800 मीटर गहरी खाई में पलट गया, जिसके चलते से 21 मजदूरों की मौत हो गई। इस हादसे में घायल एक व्यक्ति के जरिये दो दिन बाद पुलिस को घटना की सूचना मिली, तब रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया गया। घटनास्थल से 17 शव बरामद किए जा चुके हैं और बाकी चार शवों को निकालने का प्रयास किया जा रहा है।

पुलिस अधीक्षक अनुराग द्विवेदी के अनुसार यह दुर्घटना 8 दिसंबर की रात करीब 9 बजे हुई, जब असम के तिनसुकिया जिले से चागलागाम अपने कार्यस्थल की ओर जा रहे मजदूरों का एक ट्रक दुर्घटनाग्रस्त हो गया। पूरे दो दिन बाद 10 दिसंबर को जब मजदूर अपने गंतव्य तक नहीं पहुंचे, तो मजदूरों के सहयोगियों ने हयूलियांग पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई। इस पर हयूलियांग पुलिस ने लापता मजदूरों का पता लगाने के लिए स्थानीय सूत्रों से संपर्क किया। खोज के दौरान सीमा सड़क कार्य बल (बीआरटीएफ) शिविर से सूचना मिली

कि एक घायल व्यक्ति शिविर में पहुंचा है और उसने बताया है कि जिस ट्रक में वह 21 अन्य लोगों के साथ यात्रा कर रहा था, वह दुर्घटनाग्रस्त हो गया है। घायल व्यक्ति को बीआरटीएफ शिविर में प्राथमिक उपचार दिया गया और अब उसकी हालत ठीक है।

इस बीच सेना, सीमा सड़क संगठन (बीआरओ), स्थानीय पुलिस और जिला प्रशासन की बचाव टीमों ने दुर्घटनास्थल पर खोज और बचाव कार्य आरंभ किया है। अंतिम सूचना मिलने तक 17 शव बरामद किए जा चुके हैं और बाकी शवों को निकालने का प्रयास जारी है। मृतकों में बुधेश्वर दीप, राहुल कुमार, समीर दीप, जॉन कुमार, पंकज मानकी, अजय मानकी, विजय कुमार, अभय भूमिज, रोहित मानकी, बीरेंद्र कुमार, अगर ताती, धीरेन चेतिया, रजनी नाग, दीप गोवाला, रामचबक सोनार, सोनातन नाग, संजय कुमार, करण कुमार और जोनाश मुंडा शामिल हैं।

सेना के प्रवक्ता ने बताया कि भारतीय सेना ने अरुणाचल प्रदेश के चगलागाम इलाके में बड़ा सर्च और रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया है। यह ऑपरेशन 10 दिसंबर को देर रात मिली जानकारी के आधार पर शुरू किया गया था। यह दुर्घटना हायुलियांग-चगलागाम रोड पर 40वें किमी. के पास हुई है, जो चगलागाम से लगभग 12 किमी. दूर मुश्किल इलाके में है और कनेक्टिविटी भी कम है। कठिन इलाके और खराब विज़िबिलिटी के बावजूद भारतीय सेना, सिविल प्रशासन और अन्य एजेंसियों के साथ मिलकर बाकी लोगों का पता लगाने और तुरंत मदद देने की पूरी कोशिश कर रही है।

सम्पादकीय ...

मनोज कुमार शर्मा

भारत-रूस संबंध और बदलता वैश्विक समीकरण

रूस के साथ भारत के संबंध दशकों से सामरिक साझेदारी, रक्षा सहयोग और राजनीतिक विश्वास की मजबूत नींव पर टिका रहा है। शीतयुद्ध के दौर से लेकर वर्तमान तक रूस उन कुछ देशों में रहा, जिसने कठिन समय में भी भारत के हितों का समर्थन किया। परंतु साल 2022 में शुरू हुए रूस-यूक्रेन युद्ध ने वैश्विक राजनीति, ऊर्जा बाज़ार, वित्तीय ढांचे और सामरिक गठबंधनों को जिस तरह बदल दिया है, उसने भारत-रूस संबंधों को एक नए मोड़ पर ला खड़ा किया है। पश्चिमी देशों द्वारा लगाए गए कड़े प्रतिबंधों ने न केवल रूस की अर्थव्यवस्था और उसकी रक्षा-उत्पादन क्षमता को प्रभावित किया है, बल्कि भारत जैसे साझेदार देशों के लिए भी अभूतपूर्व कूटनीतिक चुनौतियाँ पैदा की हैं। एक ओर अमेरिका, यूरोप और इंडो-पैसिफिक साझेदार भारत से पश्चिमी मानदंडों का पालन करने की उम्मीद करते हैं, वहीं दूसरी ओर भारत रूस से ऊर्जा, रक्षा और अंतरराष्ट्रीय संतुलन की ज़रूरतों को अनदेखा नहीं कर सकता। इस दोराहे पर भारत की सबसे बड़ी परीक्षा है कि कैसे रूस के साथ संबंधों को बनाए रखते हुए अपनी सामरिक स्वायत्तता को मजबूती से स्थापित किया जाए।

आज की सबसे बड़ी जटिलता यह है कि रूस धीरे-धीरे चीन के करीब जाता दिख रहा है और यह समीकरण भारत के हितों की दृष्टि से पूरी तरह अनुकूल नहीं कहा जा सकता। चीन के साथ रूस का बढ़ता आर्थिक, तकनीकी और सैन्य सहयोग उस क्षेत्रीय संतुलन को प्रभावित कर रहा है, जिसमें भारत अपनी सुरक्षा रणनीति का निर्माण करता है। भारत जानता है कि चीन की मंशा केवल एशिया प्रभुत्व तक सीमित नहीं बल्कि वैश्विक शक्ति-संतुलन को बदलने की है। ऐसे में रूस-चीन निकटता भारत की सामरिक गणना को कठिन बनाती है।

पश्चिम द्वारा लगाए गए प्रतिबंध भी भारत के लिए कम चुनौतीपूर्ण नहीं हैं। रूस से होने वाले रक्षा आयात और महत्वपूर्ण स्पेयर पार्ट्स पश्चिमी प्रतिबंधों के कारण धीमे पड़ रहे हैं। भारत की वायुसेना और थलसेना जिन कई प्रमुख प्रणालियों पर निर्भर हैं, वे रूस द्वारा निर्मित या रूस के सह-उत्पादन वाले हैं। यूक्रेन युद्ध के चलते रूसी रक्षा उद्योग पर जो दबाव बढ़ा है, उसने भारत को कई सैन्य परियोजनाओं की समय-सीमा को लेकर चिंतित कर दिया है। कुछ हथियार प्रणालियों और मिसाइल डिलीवरी में देरी भी इसे दर्शाती है। यह स्थिति भारत को मजबूर करती है कि वह दीर्घकालिक रूप से अपने रक्षा स्रोतों को विविध बनाए और घरेलू उत्पादन पर अधिक ध्यान दे। इसी बीच व्यापारिक असंतुलन भी भारत-रूस संबंधों का एक गंभीर पहलू बनकर उभरा है। कच्चे तेल के आयात में भारी वृद्धि ने रूस के साथ भारत के व्यापार को एकतरफा बना दिया है। रूस को भारत से निर्यात बेहद कम है और भुगतान प्रणाली भी स्पष्ट ढंग से स्थिर नहीं हो पाई है। रुपया-रूबल व्यापार व्यवस्था पश्चिमी प्रतिबंधों और अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग नियमों के कारण अपेक्षित दक्षता हासिल नहीं कर पाई है। इससे दोनों देशों के व्यापारिक ढांचों में अनिश्चितता और जोखिम बढ़ा है।

दूसरी ओर पश्चिमी देश भी चाहते हैं कि भारत रूस को समर्थन कम करे और यूक्रेन मुद्दे पर एक नैतिक रुख अपनाए। लेकिन भारत की विदेश नीति का आधार साझा नैतिकता से अधिक राष्ट्रीय हितों पर आधारित है। भारत ने संयुक्त राष्ट्र में कई बार मतदान से दूरी बनाकर यह स्पष्ट किया है कि वह किसी भी पक्ष का सीधा समर्थन नहीं करेगा। भारत का यह संतुलित रुख उसकी सामरिक स्वायत्तता का प्रतीक है। परन्तु पश्चिमी देशों में इसे लेकर मिश्रित प्रतिक्रियाएँ देखने को मिली हैं। कुछ इसे भारत की 'प्रैगमैटिक डिप्लोमेसी' कहते हैं, तो कुछ इसे रूस के प्रति 'अतिरिक्त सहानुभूति' की तरह देखते हैं। भारत को इन दबावों के बीच अपनी विदेश नीति को चतुराई से साधना होगा।

भारत के सामने एक चुनौती यह भी है कि रूस और अमेरिका दोनों उसके महत्वपूर्ण साझेदार हैं। अमेरिका आज भारत का सबसे बड़ा तकनीकी और आर्थिक भागीदार है, साथ ही क्वाड के माध्यम से एशिया-प्रशांत सुरक्षा ढांचे का अभिन्न हिस्सा भी। वहीं रूस पारंपरिक सहयोगी है और दशकों से भारत के रक्षा ढांचे का मुख्य स्तंभ बना हुआ है। इन दोनों स्तंभों के बीच संतुलन बनाए रखना भारत की कूटनीति के लिए अत्यंत जटिल किंतु आवश्यक कार्य है। भारत को यह दिखाना होगा कि दोनों साझेदारियों में विरोधाभास नहीं बल्कि परस्पर पूरक लाभ हैं। भारत इस मुश्किल संतुलन को बनाए रखने के लिए कई कूटनीतिक रणनीतियाँ अपना सकता है। सबसे पहले, उसे रक्षा आयात पर निर्भरता कम करके मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत को तेज़ी से आगे ले जाने की नीति अपनानी होगी। रूस के साथ संयुक्त उत्पादन और तकनीकी सहयोग को भारतीय भूमि पर बढ़ाया जा सकता है, जिससे सीधे आयात पर निर्भरता घटेगी और प्रतिबंधों का प्रभाव न्यूनतम होगा। इसके साथ ही भारत को यूरोप, अमेरिका, फ्रांस और इज़राइल जैसे देशों के साथ नई रक्षा साझेदारियों को मजबूत करना होगा।

दूसरा महत्वपूर्ण कदम यह होगा कि भारत रूस के साथ ऊर्जा, कृषि, फार्मा, आईटी और अन्य गैर-रक्षात्मक क्षेत्रों में व्यापारिक विविधता को बढ़ाए। इससे व्यापारिक असंतुलन कम होगा और दोनों देशों की अर्थव्यवस्थाओं में स्थिरता आएगी। तीसरा उपाय यह है कि भारत को एक विश्वसनीय और प्रतिबंध-सुरक्षित भुगतान व्यवस्था विकसित करनी होगी। इसके लिए ब्रिक्स, एससीओ और वैकल्पिक वित्तीय प्रणालियों का उपयोग कारगर हो सकता है। कूटनीतिक स्तर पर भारत को रूस के साथ भरोसेमंद संवाद बनाए रखना होगा, और साथ ही पश्चिमी देशों को यह संदेश भी देना होगा कि भारत की तटस्थता उसकी जिम्मेदार सामरिक सोच का परिणाम है। भारत ने पहले भी यह सिद्ध किया है कि वह किसी ब्लॉक में शामिल हुए बिना भी अपने हितों की रक्षा कर सकता है। आज की वैश्विक परिस्थितियाँ भारत से और भी परिपक्व एवं बहुआयामी दृष्टिकोण की मांग करती हैं।

इन सभी परिवर्तनों के बीच यह भी महत्वपूर्ण है कि भारत अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा करते हुए किसी भी महाशक्ति का अनुसरण न करे। भारत ने हमेशा एक बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था का समर्थन किया है, जिसमें किसी एक शक्ति का वर्चस्व न हो। रूस के साथ संबंध बनाए रखते हुए भी भारत को अपनी स्वतंत्र विदेश नीति की दिशा को स्पष्ट रखना होगा-एक ऐसी नीति जो न तो दबाव में निर्णय ले और न ही किसी संघर्ष में अनावश्यक पक्षधरता दिखाए।

अंततः भारत-रूस संबंध आज ऐतिहासिक मोड़ पर खड़े हैं। यूक्रेन युद्ध, प्रतिबंधों की राजनीति और बदलते गठबंधन ढांचे ने इस संबंध को चुनौतीपूर्ण बना दिया है, परंतु इसमें अवसर भी छिपे हैं। भारत को यह समझना होगा कि रूस उसके लिए सिर्फ रक्षा सहयोगी नहीं, बल्कि एक ऐसा साझेदार है जिसके साथ ऊर्जा सुरक्षा, अंतरराष्ट्रीय संतुलन और एशियाई राजनीति के कई पहलू जुड़े हुए हैं। इसी तरह पश्चिम भी भारत के उदय का अनिवार्य साझेदार है। इसलिए भारत का लक्ष्य किसी भी एक ध्रुव की ओर झुकना नहीं, बल्कि संतुलन का वह मार्ग चुनना होना चाहिए जो उसकी सामरिक स्वायत्तता, आर्थिक स्थिरता और वैश्विक भूमिका को अधिक सशक्त बनाता है। भारत के लिए यही वह समय है जब उसे अपने कूटनीतिक कौशल, शांत तर्क और दृढ़ संकल्प का उपयोग करते हुए दुनिया को यह दिखाना होगा कि सामरिक स्वायत्तता केवल नीति नहीं बल्कि भारत की वैश्विक पहचान है।

अब प्रदूषण की गिरफ्त में इंसान ही नहीं अंतरिक्ष भी

ऐसी स्थिति में अंतरिक्ष यान और कक्षीय मलबे की दूसरी वस्तुओं से टकराने की संभावना बढ़ जाती है। नतीजतन लियो का उपयोग दशकों तक असंभव हो जाता है, जो भयावह खतरे की चेतावनी है। इसमें दो राय नहीं है कि अंतरिक्ष में प्रदूषण के लिए खासतौर से विभिन्न देशों की सरकारें तो जिम्मेदार हैं ही, अंतरिक्ष ऐजेंसियां और निजी कंपनियां भी काफी हदतक जिम्मेदार हैं। यह प्रदूषण मुख्यतः उपग्रहों व राकेटों के हिस्सों और प्रक्षेपणों के दौरान पैदा हुए मलबे के रूप में होता है। इसके लिए स्पेसएक्स, एरियान के साथ लाकहीड व मार्टीन जैसी कंपनियों के योगदान को नकारा नहीं जा सकता।

दुनिया में प्रगति का अब कोई न तो मापदंड रहा है और न ही कोई मानदंड। इसका अहम कारण होड है, जो थमने का नाम नहीं ले रही। प्रगति और विभिन्न क्षेत्रों में सबसे पहले कामयाबी हासिल कर उन्नति के शिखर पर पहुंचने की होड ने ही खोज कहें या अनुसंधान की महती महत्वाकांक्षा ने इंसान को राकेटों - सैटेलाइट को अंतरिक्ष में भेजने हेतु प्रोत्साहित किया। अब तो अंतरिक्ष ही क्या, चंद्रमा और मंगल नामक ग्रह पर भी पहुंच बनाने में इंसान ने कामयाबी पा ली है। वह बात दीगर है कि उसके इन अभियानों से लाभ कितना होता है और हानि कितनी इसकी चिंता किसी को नहीं है। इंसान की कारगुजारी का ही दुष्परिणाम है कि उसने अपने ग्रह को तो प्रदूषित किया ही है,अब अंतरिक्ष को भी प्रदूषित कर डाला है। अंतरिक्ष में प्रदूषण इसका जीता-जागता सबूत है। हकीकत यह है कि इंसान, वायु, जल, धरती, नदी, मृदा, खान-पान की वस्तुएं ही क्या प्रदूषण की मार से अब कोई बचा नहीं है। यहां तक अंतरिक्ष भी प्रदूषण से अछूता नहीं रहा है।

हालिया अध्ययन में: लंदन यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों ने अपने हालिया अध्ययन में इस बात का खुलासा किया है कि अंतरिक्ष का यह प्रदूषण धरती के ऊपर वायुमंडल में 500 गुणा अधिक नकारात्मक असर छोड़ रहा है। इसमें धरती से छोड़े गये रॉकेटों और सैटेलाइट की अहम भूमिका है। वैज्ञानिकों का कहना है कि राकेट और सैटेलाइट से पहले कभी इतना प्रदूषण वायुमंडल की ऊपरी परत में नहीं छोड़ा गया। यह परत ही लम्बे समय तक प्रदूषण को रोककर रखती है। वैज्ञानिकों ने चेतावनी देते हुए कहा है कि यदि समय रहते इसे नहीं रोका गया तो पृथ्वी के वायुमंडल में इसके गंभीर परिणाम होंगे। अध्ययन में यह स्पष्ट हो गया है कि स्पेसएक्स का स्टारलिंक, वनवेब जैसे बड़े सैटेलाइटों ने प्रदूषण को तीन गुणा बढ़ाने में अहम योगदान दिया है। इसका जीपीएस, संचार और मौसम के पूर्वानुमान सहित अंतरिक्ष आधारित तकनीकों पर निर्भर उद्योगों पर विनाशकारी प्रभाव पड़ेगा।

पर्यावरणवेत्ताओं की चिंता: यही नहीं उपग्रह डेटा का इस्तेमाल फसल उत्पादन व अनुमान, फसल की गहनता, सूखा आकलन, बंजर भूमि सूची, भूजल संभावित क्षेत्रों की पहचान, अंतर्देशीय जलीय चक्र और कृषि की उपयुक्तता, आपदा जोखिम न्यूनीकरण, महासागरीय स्थिति की सूचना के साथ भूजल पुनर्भरण संभाव्यता आदि के लिए भी किया जाता है। लेकिन इसके लाभ के साथ साथ खतरे भी अनेक हैं। सबसे बड़ा खतरा तो इनके द्वारा छोड़े गये अनुपयुक्त या समय सीमा समाप्ति के बाद कबाड़ सामानों से अंतरिक्ष में हो रहे प्रदूषण का है, जिसने समूची दुनिया के वैज्ञानिकों और पर्यावरणवेत्ताओं की चिंता को और बढ़ा दिया है। ये पृथ्वी के भूमध्य रेखीय तल में पृथ्वी की सतह से लगभग 30,000 किलोमीटर ऊपर भूस्थिर कक्षा में हैं जो अधिकांशतः संचार और मौसम की जानकारी से संबंधित उपग्रह हैं। जहां तक भारत का सवाल है, केन्द्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अनुसार भारत ने इसरो के द्वारा अबतक 1975 से भारतीय मूल के 129 के अलावा 36 देशों के 342 विदेशी उपग्रह प्रक्षेपित किए हैं।

अंतरिक्ष में बढ़ता कचरा: सबसे अहम सवाल तो अंतरिक्ष में दिनोंदिन बढ़ रहे कचरे का है।अक्सर उच्चतर कक्षाओं, चंद्रमा या अन्य ग्रहों तक पहुंचने के लिए अंतरिक्ष यान को पृथ्वी की निम्न कक्षा से ही गुजरना पड़ता है। यहां मलबा सबसे ज्यादा और सघन मात्रा में होता है, जहां कक्षीय वेग सबसे ज्यादा होता है। यही वह अहम कारण है कि अंतरिक्ष का यह कचरा या मलबा कहें, लियो में मौजूद अंतरिक्ष यान के लिए ही नहीं, बल्कि अंतरिक्ष यात्रा के सभी रूपों के लिए बड़ा खतरा है। अंतरिक्ष का कचरा परिचालन अंतरिक्ष यान पर प्रभाव डाल सकता है। इससे सभी आकारों का और भी अधिक मलबा पैदा हो सकता है, जिससे जोखिम का असर और बढ़ सकता है जिसे केप्लर सिंड्रोम कहते हैं। यहां सबसे बड़ी चिंता तो निष्क्रिय उपग्रहों और रॉकेटों के मलबे को लेकर है, जो इस क्षेत्र में फैले हुए हैं और जो अंतरिक्ष में अव्यवस्था फैला रहे हैं। 1957 में जब सबसे पहले अंतरिक्ष में स्पूतनिक पहुंचा, तभी से अंतरिक्ष में मलबा जमा होना शुरू हुआ है।

खतरे की चेतावनी: ऐसी स्थिति में अंतरिक्ष यान और कक्षीय मलबे की दूसरी वस्तुओं से टकराने की संभावना बढ़ जाती है। नतीजतन लियो का उपयोग दशकों तक असंभव हो जाता है, जो भयावह खतरे की चेतावनी है। इसमें दो राय नहीं है कि अंतरिक्ष में प्रदूषण के लिए खासतौर से विभिन्न देशों की सरकारें तो जिम्मेदार हैं ही, अंतरिक्ष ऐजेंसियां और निजी कंपनियां भी काफी हदतक जिम्मेदार हैं। यह प्रदूषण मुख्यतः उपग्रहों व राकेटों के हिस्सों और प्रक्षेपणों के दौरान पैदा हुए मलबे के रूप में होता है। इसके लिए स्पेसएक्स, एरियान के साथ लाकहीड व मार्टीन जैसी कंपनियों के योगदान को नकारा नहीं जा सकता। कुछ दिनों से केन्या सहित दूसरी जगहों से वहां अंतरिक्ष से मलबा गिरने की खबरें आ रहीं हैं। स्वाभाविक है कि अंतरिक्ष में भी मलबा जमा होने की सीमा है। जाहिर है इससे अंतरिक्ष में मलबे की समस्या और भयावह रूप अख्तियार करेगी। इसमें दो राय नहीं।

-ज्ञानेन्द्र रावत

यह लेखक के अपने विचार हैं।

मैकाले ने किस तरह ज़हरीली मानसिकता और अमानवीय रवैया दिखाया

मैकाले कोई इंडोलॉजिस्ट नहीं था। वह कोई शिक्षाविद् या जाने-माने बुद्धिजीवी नहीं थे। फिर भी, उन्होंने भारत के सामाजिक और शैक्षिक ढांचे को लंबे समय तक नुकसान पहुंचाया। वह निःस्संदेह आत्महीनता की मानसिकता के सबसे बड़े दोषी थे, जो आज भी हिंदू समुदाय को परेशान करती है। उन्होंने हिंदू दिमाग में अपनी महान साहित्यिक और सांस्कृतिक विरासत के प्रति नफरत सफलतापूर्वक भर दी। संस्कृत को पुराना बताकर और अंग्रेजी की तारीफ कर मैकाले का मकसद न सिर्फ पहली भाषा को बदलना था बल्कि उसके लिए नफरत के बीज भी बोना था। इससे एक तरह की सांस्कृतिक गुलामी पैदा हुई, जिसमें हिंदू समाज ने पश्चिमी मूल्यों को आँख बंद करके अपना लिया। संस्कृत के बाद में हुए पतन से सांस्कृतिक और बौद्धिक पूंजी का भारी नुकसान हुआ, जिससे भारत का सामाजिक माहौल अपरिवर्तनीय रूप से बदल गया। मैकाले की थोपी गई नीति ने भारत में एक तरह की अंग्रेजी भाषाई और सांस्कृतिक गुलामी को जन्म दिया।

गुरुकुल प्रणाली, जो पीढ़ियों से भारतीय शिक्षा की नींव रही थी, धीरे-धीरे हाशिये पर चली गई। संस्कृत, दर्शन, आयुर्वेद और शास्त्रीय कला जैसे पारंपरिक विषयों, जो गुरुकुल पाठ्यक्रम के लिए ज़रूरी थे, उसे नज़रअंदाज़ कर दिया गया। इस नीति के कारण भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का धीरे-धीरे पतन हुआ। गुरुकुल प्रणाली न सिर्फ अकादमिक शिक्षा देती थी बल्कि नैतिक आदर्श, सांस्कृतिक परंपराएं और आध्यात्मिक अभ्यास भी सिखाती थी। मैकाले की नीति, जिसने पश्चिमी सिद्धांतों पर ज़ोर दिया, उसने इन तत्वों को खत्म कर दिया, जिसके परिणामस्वरूप शिक्षित अभिजात वर्ग में सांस्कृतिक पहचान का नुकसान हुआ। कई स्थानीय शिक्षक और बुद्धिजीवी जो पारंपरिक ज्ञान के संरक्षक थे, उन्हें हटा दिया गया। उनके कौशल और प्रतिभा को कम आंका गया, जिसके परिणामस्वरूप पारंपरिक शिक्षकों की स्थिति और संख्या में कमी आई।

ध्यान समग्र शिक्षा से हटकर रटने और परीक्षा-उन्मुख पढ़ाई पर चला गया। गुरुकुल प्रणाली का छात्रों के पूर्ण विकास (लड़कों और लड़कियों दोनों के लिए) पर ज़ोर शिक्षा के एक सीमित, उपयोगितावादी दृष्टिकोण में बदल गया। भारतीय समाज का एक बड़ा हिस्सा, खासकर उसका अभिजात वर्ग, बहुत ज़्यादा पश्चिमी हो गया। इसके परिणामस्वरूप अंग्रेजी में शिक्षित लोगों और पारंपरिक तरीकों का पालन करने वालों के बीच एक सामाजिक-सांस्कृतिक विभाजन पैदा हुआ। यह विभाजन आज भी बना हुआ है, जो सामाजिक-आर्थिक असमानताओं में योगदान देता है। अंग्रेजी पर ज़ोर देने से शैक्षिक और प्रशासनिक संदर्भों में स्वदेशी भाषाओं के उपयोग में गिरावट आई। इससे साहित्य और मौखिक परंपराओं के कई पारंपरिक रूपों का धीरे-धीरे विलुप्त होना शुरू हो गया।

लगातार आने वाली पीढ़ियों में पहचान का संकट था, जो पश्चिमी प्रभावों और पारंपरिक रीति-रिवाजों के बीच बंटी हुई थीं। नतीजतन, बहुत से लोगों में अपनी जड़ों पर गर्व की कमी है और वे पश्चिमी जीवन शैली और आदर्शों को पसंद करते हैं। स्कूल सिस्टम का पश्चिमी तौर-तरीकों के साथ तालमेल होने से पश्चिमी ज्ञान प्रणालियों और तरीकों पर निर्भरता बढ़ गई। इससे क्रिएटिविटी और मौजूदा चिंताओं के लिए स्थानीय समाधानों के विकास में रुकावट आई। अंग्रेजी पढ़े-लिखे एलीट वर्ग को आर्थिक अवसरों तक ज़्यादा पहुंच मिली, जिससे सामाजिक और आर्थिक असमानता और बढ़ गई। जो लोग अंग्रेजी में माहिर नहीं थे, वे नुकसान में थे, जिससे गरीबी और हाशिए पर रहने का सिलसिला जारी रहा। भारतीय आंतरिक, अक्सर आसानी से उपलब्ध संसाधनों, जैसे पारंपरिक ज्ञान, समझ और प्राकृतिक संसाधनों से पूरी तरह अप्रभावित हैं, लेकिन वे बाहरी संसाधनों, जैसे पश्चिमी तरीकों, जानकारी और बाजारों के आदी हो गए हैं। ऐतिहासिक विवि और गुरुकुल संस्थानों का प्रसार एक अनुमान के अनुसार, प्राचीन भारत में एक समय 50 से ज़्यादा विश्वविद्यालय थे। तक्षशिला, नालंदा, विक्रमशिला और वल्लभी विश्वविद्यालय, ओदंतपुरी, मिथिला विश्वविद्यालय, तेलहारा विश्वविद्यालय, शारदापीठ मंदिर विश्वविद्यालय, पुष्पगिरि विश्वविद्यालय, सोमपुरा विश्वविद्यालय और बिक्रमपुर विश्वविद्यालय कुछ जाने-माने संस्थान हैं।

सनातन-सांस्कृतिक मूल्यों को गति देते मोहन यादव

प्रमोद भार्गव

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव पद की शपथ लेने के बाद से ही सनातन-सांस्कृतिक मूल्यों को निरंतर गति दे रहे हैं। उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान सरकार की कोई निंदा-आलोचना किए बिना, उनके द्वारा खींची गई लकीर को बड़ा करने का काम किया है। इस परिप्रेक्ष्य में हिंदुत्व की वैचारिकता को आगे बढ़ाने के साथ महिलाओं के सशक्तिकरण, युवाओं को रोजगार, नगरीय विकास से लेकर ग्रामीण विकास और सुशासन को सशक्त बनाने के बाबत उनकी प्राथमिकताएं देखने में आई हैं। हिंदुत्व और सनातन संस्कृति उनके अजेंडे के प्रमुख आधार रहे हैं। अतएव उज्जैन और अन्य धार्मिक स्थलों के कायाकल्प के साथ राम वन गमन और कृश्ण पाथेय परियोजना को जमीन पर उतारने का संकल्प लिया है। अब भगवान श्री कृष्ण से जुड़े मध्यप्रदेश के स्थलों को एक नवीन पहचान दी जाएगी। प्रदेश में बड़ा पूंजी निवेश कराकर उद्योगों की स्थापना हेतु कई इंवेस्टर मीट कराए गए हैं। इससे नए रोजगार व तकनीकी विकास के रास्ते जल्दी ही खुलेंगे। चीता पालन परियोजना श्योपुर के कूनो और मंदसौर के गांधी सागर में उन्हीं के कार्यकाल में भलीभूत हुई है। अब इसका विस्तार सागर जिले के वीरांगना दुर्गावती बाघ आरक्षित क्षेत्र में भी होगा। मोहन यादव मंत्रिमंडल की पहली बार बैठक बुंदेलखंड के खजुराहो में संपन्न हुई है। इसके दूरगामी परिणाम निकलने की उम्मीद की जा रही हैं। अतएव इस अंचल में पर्यटन और औद्योगिक विकास के नए रास्ते जल्द खुलेंगे।

प्रदेश में धर्म, अध्यात्म और संस्कृति के संगम की त्रिवेणी बह रही है। दुनिया के सामने 'श्री कृश्ण पाथेय' योजना के अंतर्गत सांदीपनि आश्रम उज्जैन, पीवड़िया-खातेगांव देवास, एरण सागर, चंदेरी, अशोकनगर जामगढ़ रायसेन, सागर, जनापाव इंदौर और अमझेरा धार सहित आठ जिलों में उन पुरातन स्थलों को धार्मिक पहचान दी जाएगी, जो भगवान कृश्ण से जुड़े रहे हैं। इन स्थलों पर कृश्ण के श्रीचरण विद्यार्जन, यात्रा के समय विश्राम और विवाह के लिए रुक्मणी हरण से जुड़े हैं। इन यात्राओं में कृश्ण के साथ उनके बड़े भाई बलराम अर्थात बलदाऊ भी साथ रहे हैं। कृश्ण और बलराम ने एक साथ उज्जैन के सांदीपनि आश्रम के गुरुकुल में शिक्षा प्राप्त की थी। दोनों भ्राताओं में यहां 64 कलाएं और 14 विद्याएं गुरु सांदीपनि से प्राप्त की थीं। मित्र सुदामा भी उनके साथ रहे थे। भागवत पुराण के अनुसार गुरु सांदीपनि के पास जितनी भी शिक्षाएं थीं, सब सिखा दी थीं। शिक्षा प्राप्ति के बाद कृष्ण ने गुरु से गुरु दक्षिणा लेने को कहा, लेकिन उन्होंने कुछ भी लेने से मना कर दिया। तब कृष्ण और बलराम गुरु माता के पास पहुंचे। उन्होंने रोते-रोते अपने पुत्र के अपहरण की कहानी कह दी। पुत्र का अपहरण समुद्र के किनारे से हुआ था। कृष्ण और बलराम समुद्र किनारे पहुंचे और उन्होंने समुद्र का आवाहन किया। समुद्र ने सामने आकर बताया कि पंचजन्य नाम के असुर ने गुरु सांदीपनि के पुत्र का अपहरण किया है। कृष्ण ने अंततः पंचजन्य राक्षस को खोज लिया और उसको दंडित करते हुए गुरु पुत्र को वापस मांगा। पंचजन्य ने जब कृष्ण के पुरुषार्थ और उनकी दैवीय शक्तियों को जाना तो तुरंत गुरु पुत्र को लौटा दिया। कृष्ण और बलराम ने इस पुत्र को उज्जैन जाकर गुरु माता को दक्षिणा के रूप में सौंप दिया। इस यात्रा के दौरान कृष्ण और बलराम धार जिले के अमझेरा होते हुए समुद्र तक पहुंचे थे।

कृष्ण को जब विवाह प्रस्ताव के रूप में रुक्मणी का पत्र मिला तो वह द्वारका से नारायण, पीवाड़िया-खातेगांव एरन, चंदेरी होते हुए विदर्भ की राजधानी कुंडनपुर पहुंचे थे। रुक्मणी स्वयंवर यहीं चल रहा था। इसी स्वयंवर स्थल से कृश्ण ने रुक्मणी का हरण किया था। अब उन्हीं स्थलों को एक न्यास बनाकर संवारा जाएगा। इन स्थलों को तीर्थ स्थलों के रूप में विकसित करने की योजना है। इस योजना को क्रियान्वित करने से पहले स्थलों का शोधवृत्ति के जरिए शोध कराया जाएगा। विक्रमादित्य शोधपीठ इसे क्रियांन्वित करेगी। मोहन यादव गीता और गो-माता की महिमा को बढ़ाने का काम भी प्राथमिकता से कर रहे हैं। गीता और गो-माता हमारी सनातन संस्कृति और आस्था के प्रतीक हैं। गाय की महिमा का गान ऋृवैदिक युग से ही हो गया था। वैदिक ऋृषियों ने जान लिया था कि गाय एक ऐसा पशुधन हैं, जो दूध और दूध से बनने वाले दही, मट्ठा, घी, मक्खन तो देती ही है, खेती के लिए बैल भी देती है। अतएव ग्रामीण और कृषि अर्थव्यवस्था हेतु गाय के संरक्षण का उपाय करते हुए, उसे गौ माता का दर्जा ऋृषियों ने दिया।

अक्सर हमारे राजनेता या प्रदेश प्रमुख हिंदु एवं मुस्लिम संप्रदायों से जुड़े मंदिर एवं मस्जिदों के अतिक्रमण हटाने से भयभीत दिखाई देते हैं। इनके पीछे उनकी स्वयं की धार्मिक भावना एवं आस्था तो होती ही है, कहीं सांप्रदायिक सद्भाव बिगड़ न जाए, इसका डर भी मन में रहता है। अतएव ज्यादातर मुख्यमंत्री ऐसे अतिक्रमणों को हटाने से बचते हैं। हालांकि उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ ने अनेक धार्मिक स्थलों एवं भू-माफियाओं के अतिक्रमण हटाकर एक मिसाल पेश की है। अब ऐसा ही उदाहरण मोहन यादव ने उज्जैन में पेश कर दिया है। उन्होंने उज्जैन के केडी मार्ग चौड़ीकरण में आ रही बाधाओं को दूर करने में दृढ निर्णय के साथ सभी धर्मावलंबियों और षासन के बीच सामंजस्य बिठाकर इन अतिक्रमणों को हटाने का अनूठा उदाहरण पेश किया है।

मुख्यमंत्री मोहन यादव पूरी तरह धार्मिक हैं लेकिन उनमें धर्मजन्य मिथकीय जड़ता नहीं है। जब वे मुख्यमंत्री बने थे, तब उन्होंने इस पद पर आसीन होने के बाद पहली बार उज्जैन में रात बिताने का निश्चय किया था। इस खबर के फैलने के बाद कथित धर्म के प्रचारकों ने प्रश्न उठाया कि राजा महाकाल की नगरी की परिधि में कोई दूसरा राजा या मुखिया रात बिताएगा तो उसे महाकाल के कोप से पद गंवाना पड़ सकता है ? इस पर मुख्यमंत्री यादव ने सार्थक टिप्पणी करते हुए कहा था, 'मैं तो उज्जैन का ही निवासी हूं और महाकाल भगवान की शरण में ही रहा हूं। आज मेरी जो भी राजनीतिक व अन्य उपलब्धियां हैं, वह उन्हीं की कृपा से हैं। महाकाल का दायरा कोई उज्जैन नगर निगम तक सीमित नहीं है।

हाईकोर्ट सहित होटल को बम से उड़ाने की धमकी

जयपुर। (चमकते सितारे) राजधानी जयपुर में गुंरुवार का दिन प्रशासन के लिए बड़ी ही चुनौती पूर्ण रहा। एक ही दिन में दो अलग-अलग जगहों पर अज्ञात बदमाशों ने हाईकोर्ट बिल्डिंग और एक होटल को बम से उड़ाने की धमकी दी। लेकिन बार -बार मिल रहीं बम धमाकों की धमकी की खबर आज हाईकोर्ट में बेअसर नजर आई। हाईकोर्ट परिसर में बम की धमकी के बाद भी वकीलों का चुनावी उत्साह खत्म नहीं हुआ।

इसके अलावा अज्ञात बदमाशों ने सांगानेर सदर इलाके में स्थित कॉन्टिनेंटल होटल में ई-मेल के जरिए बम से उड़ाने की धमकी दी। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने डॉग स्क्वायड, बम निरोधक दस्ता की मदद से होटल परिसर में दो घंटे तक सर्च ऑपरेशन चलाया। तलाशी के दौरान कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिलने पर पुलिस और होटल प्रशासन ने राहत की सांस ली।

थानाधिकारी अनिल जैमिनी ने बताया कि सांगानेर सदर थाना इलाके में स्थित कॉन्टिनेंटल होटल की ऑफिशियल मेल पर होटल को बम से उड़ाने की धमकी मिली। सूचना पर एटीएस, डॉग स्क्वायड, बम निरोधक दस्ता, सिविल डिफेंस सहित अन्य सिक्योरिटी एजेंसियां मौके पर पहुंची। पुलिस ने तुरंत होटल परिसर को खाली करवाकर सर्च ऑपरेशन चलाया। करीब 2 घंटे चले सर्च के बाद कुछ नहीं निकलने पर धमकी के फेक निकलने पर राहत की सांस ली।

हाईकोर्ट परिसर को लगातार चौथे दिन बम से उड़ाने की धमकी

राजस्थान हाईकोर्ट की ऑफिशियल मेल पर गुरुवार को राजस?थान हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के चुनावी माहौल के बीच लगातार चौथे दिन बम से उड़ाने की धमकी मिली। बम की सूचना मिलने पर हाईकोर्ट में चल रहीं सुनवाई स्थगित करनी पड़ी लेकिन बम की सूचना का वकीलों पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा। बम की सूचना मिलने के बाद भी राजस्थान हाईकोर्ट परिसर में बार एसोसिएशन के चुनाव संपन्न हुए। बार एसोसिएशन के चुनावों को देखते ही पुलिस प्रशासन की पूर्व में ही बड़ी सुरक्षा व्यवस्था कर रखी थी।

डीसीपी दक्षिण राजर्षि राज के अनुसार बम की धमकियों को देखते हुए अतिरिक्त सुरक्षा जाब्ता (लगभग 100 पुलिसकर्मी, सिविल ड्रेस में पुलिसकर्मी) तैनात किया गया। साथ ही 22 अतिरिक्त सीसीटीवी कैमरों से पूरे परिसर की गतिविधियों पर नजर रखी गई। हर व्यक्ति को मेटल डिटेक्टर से जांच के बाद ही प्रवेश दिया गया।

हाईकोर्ट चौकी प्रभारी सुमेर सिंह ने बताया कि राजस्थान हाईकोर्ट परिसर में बार चुनावों को लेकर वकीलों को जमावड़ा अल सुबह से 6 बजे से ही दिखाई देने लगा। इसी बीच 8 बजे से बार चुनाव की वोटिंग शुरु हुई। लेकिन अचानक से रजिस्ट्रार सीपीसी को 11 बजे हाईकोर्ट परिसर में बम की सूचना मिलते ही हाईकोर्ट परिसर को खाली करवाया गया और प्रशासन ने चप्पे-चप्पे की तलाशी ली। तलाशी के दौरान कोर्ट में चल रहीं तारीख-पेशी की कार्रवाही को रोकना पड़ा और कोर्ट स्थगित करनी पड़ी।

सुबह 11 बजे बम की सूचना मिलने के बाद कुछ समय के लिए पुलिस, एटीएस, डॉग स्क्वायड, बम निरोधक दस्ता, सिविल डिफेंस सहित अन्य सिक्योरिटी एजेंसियां की भाग दौड़ नजर आई। लेकिन चुनावी माहौल में वकीलों के चेहरे पर बम की धमकी का खौफ नजर नहीं आया। बम की धमकी मिलने के बाद भी हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के लिए मतदान जारी रहा। दरअसल, लगातार मिल रही बम की धमकियों के चलते चुनाव समिति ने पहले ही पुलिस के अतिरिक्त जाब्ते की मांग की थी। इसके बाद गुरुवार सुबह ही वोटिंग से पहले मतदान केन्द्र और इसके आसपास के क्षेत्र को एतिहातन सर्च कर लिया गया था। बम की धमकी मिलने के बाद भी वोटिंग को नहीं रोका गया। जिसके चलते हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के लिए मतदान प्रक्रिया शाम 5 बजे तक चली। इस साल अध्यक्ष पद के लिए 6 उम्मीदवार सहित कुल 66 प्रत्याशी चुनावी मैदान में हैं। सतीश चंद्र सभागार में 70 बूथ बनाए गए थे।

वकीलों का कहना है कि वे इस तरह की धमकियों से डरने वाले नहीं हैं और लोकतंत्र में विश्वास रखते हुए अपने मताधिकार का प्रयोग किया। फिलहाल पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि इन धमकियों के पीछे कोई वास्तविक खतरे की आशंका है या यह महज चुनाव प्रक्रिया को बाधित करने की शरारत है। मतगणना (शुक्रवार) सुबह 10 बजे शुरू होगी, जिसके लिए मतगणना कक्ष की गतिविधियों पर भी 3 एलईडी स्क्रीनों से नजर रखी जाएगी।

अब तक छह बार मिल चुकी है धमकी

कुल छह बार राजस्थान हाईकोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी मिल चुकी है। मेल के जरिए हाईकोर्ट को धमकी दी गई। पहली बार 31 अक्टूबर, फिर 5 दिसंबर, 8, 9 और 10 और 11 दिसम्बर को मेल के जरिए धमकी दी गई। हालांकि धमकी भरे ईमेल किस स्त्रोत से आ रहे हैं। इस बारे में आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हो पाई है। लेकिन सुरक्षा एजेंसियां पूरी तरह अलर्ट हैं।

जेडीए 17 से 24 तक लगाएगा शहरी समस्या समाधान शिविर

जयपुर। (चमकते सितारे) राज्य सरकार के दो वर्ष का कार्यकाल पूर्ण होने के उपलक्ष्य में और आमजन की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा शहरी समस्या समाधान शिविर-2025 का आयोजन किया जा रहा है। जेडीसी आनंदी ने बताया कि शिविर जेडीए परिसर स्थित नागरिक सेवा केंद्र में सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक आयोजित किया जाएगा। इस शिविर में शहरी सेवा शिविर-2025 तथा शहरी सेवा अनुवर्ती शिविर के लम्बित प्रकरण, 18 अक्टूबर से 02 नवम्बर के दौरान प्राप्त आवेदन, 08 नवम्बर से 16 दिसम्बर के दौरान प्राप्त नवीन आवेदन तथा संपर्क पोर्टल, मुख्यमंत्री कार्यालय, मुख्य सचिव कार्यालय एवं जनप्रतिनिधियों से प्राप्त प्रकरणों का निस्तारण किया जाएगा। शिविर में प्रतिदिन अलग-अलग जोन के प्रकरणों की सुनवाई की जाएगी। शिविर में लम्बित प्रकरणों के आवेदकों को उपस्थित होने के लिए मोबाइल मैसेज एवं फोन के माध्यम से टाइम स्लॉट की सूचना दी जाएगी। आवेदकों की सहायता के लिए प्रतीक्षा स्थल पर उपायुक्त (नागरिक सेवा केंद्र) द्वारा हैल्प डेस्क और आईटी शाखा द्वारा ई-मित्र की स्थापना की जाएगी। प्रतीक्षा स्थल में आगन्तुक आवेदकों के लिए जोन-वार बैठने की व्यवस्था की गई है। शिविर के दौरान निष्पादित कार्यों से संबंधित दस्तावेजों पर शहरी समस्या समाधान शिविर-2025 की विशेष मोहर अंकित की जाएगी। शिविर के सफल संचालन के लिए अतिरिक्त आयुक्त (प्रशासन) को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। शिविर का समय शाम 5 बजे तक रहेगा लेकिन कार्य अपूर्ण रहने की स्थिति में कार्य समाप्ति तक शिविर जारी रहेगा। शिविर का स्थिति 17 दिसम्बर को जोन-3, 4, 5, 6, 7, 18 को जोन-5, 6, 7, 8, पीआरएन-उत्तर, 19 को जोन-5, 7, 8, 19, पीआरएन-दक्षिण, 20 को जोन-1, 9, 10, 11, 12, 14, 22 को जोन-9, 10, 11, 12, 13, 14, 23 को जोन-2, 9, 11, 12, 13, 14 तथा 24 को जोन-11, 12, 13, 22 के प्रकरणों की सुनवाई नागरिक सेवा केन्द्र, जविप्रा परिसर में की जाएगी।

भीलवाड़ा में तीन ब्रह्मचारी इंद्रदेव, कुनाल व सिद्धार्थ लेंगे दीक्षा

भीलवाड़ा। (चमकते सितारे) भीलवाड़ा के हरि शेवा उदासीन आश्रम, सनातन मंदिर परिसर में गुरुवार को फरवरी माह में प्रस्तावित विशाल सनातन मंगल महोत्सव के बैनर का विमोचन किया गया। समारोह का शुभारंभ महामंडलेश्वर स्वामी हंसराम उदासीन के आशीर्वचन, वेद मंत्रोच्चार और विद्वान पंडितों की मंगल कामनाओं के बीच हुआ। आश्रम परिसर में आयोजित होने वाला यह महोत्सव 19 फरवरी से 26 फरवरी 2026 तक चलेगा। इस दौरान आश्रम के तीन ब्रह्मचारी इंद्रदेव, कुनाल और सिद्धार्थ दीक्षा दान प्राप्त करेंगे, जो इस आयोजन का मुख्य आकर्षण रहेगा। महामंडलेश्वर स्वामी हंसराम उदासीन ने बताया कि महोत्सव अनंत श्री विभूषित एवं प्रतिष्ठित संतों के सान्निध्य में आयोजित होगा। इनमें पीठाधीश्वर महामंडलेश्वर स्वामी गुरु शरणानंद महाराज (वृंदावन मथुरा, रमण रेती), तपस्वी बाबा के नाम से प्रसिद्ध महामंडलेश्वर बाबा कल्याण दास महाराज (कल्याण सेवा आश्रम, अमरकंटक) तथा महामंडलेश्वर स्वामी आनंद भास्करानंद महाराज (गुरु गंगेश्वर धाम, दिल्ली) शामिल हैं। उन्होंने बताया कि देशभर से लगभग 250 से अधिक संत-महात्मा महोत्सव में पधारकर कार्यक्रम को अपने सान्निध्य से पवित्र करेंगे। इसी के साथ काशी और वृंदावन के विद्वान आचार्य एवं अनुभवी ब्राह्मण वैदिक विधान के अनुसार हवन, यज्ञ, पूजन, अर्चन और अनुष्ठानों का संचालन करेंगे। आश्रम परिसर दिव्य ऊर्जा, धर्म, भक्ति और आध्यात्मिकता का अद्भुत संगम बनेगा। आयोजन में पंचकुण्डीय विष्णु महायज्ञ, श्रीमद् भागवत महापुराण कथा, रासलीला, श्रीमद् भागवत के 108 मूल पाठ, शतचंडी पाठ, श्रीमद् भागवत गीता अखंड पाठ, श्री रामचरित मानस अखंड पाठ, श्रीचंद्र सिद्धांत सागर अखंड पाठ, अखंड राम नाम संकीर्तन और संत समागम जैसे विविध कार्यक्रम शामिल हैं 19 फरवरी को श्रीमद् भागवत महापुराण पोथी यात्रा शोभायात्रा के रूप में निकाली जाएगी। 25 फरवरी को दीक्षार्थी संतों व महापुरुषों की नगर परिक्रमा आयोजित होगी, जबकि 26 फरवरी को दीक्षा दान समारोह, संत प्रवचन एवं सर्व-सनातन समाज का भंडारा होगा। विशेष रूप से इस महोत्सव में सभी सनातनी संगत पंगत, भाषा तथा वस्त्र भूषण एक समान रखने का संकल्प लिया गया है, ताकि एकता और समानता का संदेश पूरे देश तक पहुँचे। बैनर विमोचन कार्यक्रम में संत मायाराम, संत राजाराम, संत गोविंदराम, ब्रह्मचारी कुनाल, मिहिर, महापौर राकेश पाठक, आश्रम सचिव हेमंत वच्छानी, पल्लवी वच्छानी, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के रविंद्र जाजू, भगवान सिंह चैहान, सुरेश गोयल, कन्हैयालाल स्वर्णकार, रमेश मूंदड़ा, अशोक मूंदड़ा, हीरालाल गुरनानी, रामचंद्र मूंदड़ा, पार्षद ओम पाराशर साईराम, ईश्वर आसनानी, मुरलीधर कोली, अम्बालाल नानकानी, महावीर खंडेलवाल, किशोर कृपलानी, पुरुषोत्तम परियानी, कन्हैयालाल मोरयानी, रमेश राठी, इंद्र अवतानी, राजा टिकयानी, महेश नावानी, बजरंग जांगिड़ सहित बड़ी संख्या में धर्मप्रेमी मौजूद रहे।

अखबार के पेपर का केक रखने में किया जा रहा था इस्तेमाल

जयपुर। (चमकते सितारे) प्रदेश में चलाए जा रहे शुद्ध आहार मिलावट पर वार अभियान के तहत गुरुवार को सीएमएचओ जयपुर द्वितीय की फूड सेफ्टी टीम ने मालवीय नगर स्थित फ्रेंच बेकरी पर कार्रवाई करते हुए लगभग सौ किलो केक एवं अन्य सामग्री नष्ट करवाई। सीएमएचओ जयपुर द्वितीय डॉक्टर मनीष मित्तल ने बताया कि टीम ने फ्रेंच बेकरी के निरीक्षण में पाया कि ट्रे में अखबार पर केक का गरम बेस तैयार कर रखा हुआ था, जिससे अखबार की स्याही केमिकल के रूप में केक में मिक्स हो रही थी। जो स्वास्थ्य के लिए अत्यंत हानिकारक है। एफएसएसएआई के द्वारा अखबार के पेपर को खाद्य सामग्री के रखरखाव के लिए प्रतिबंधित किया गया है। जिसके अनुसार स्याही में लेड एवं अन्य हैवी मेटल्स होते हैं। जो खाद्य सामग्री में प्रविष्ट हो जाते हैं और स्वास्थ्य को गंभीर नुकसान पहुंचाते हैं। इससे पाचन संबंधी बीमारियां एवं कैंसर होने की संभावना होती है। मौके पर अखबार पर रखे 5-5 किलो के विभिन्न फ्लेवर के 10 केक बेस नष्ट करवाए गए एवं अन्य अवधिपार खराब हो चुकी 40-50 किलो खाद्य सामग्री भी नष्ट करवाई गई।

मैन्युफैक्चरिंग एरिया में सफाई संतोषजनक नहीं पाई गई। डस्टबिन भी खुले हुए रखे थे। बटरस्कॉच केक एवं कुकीज के नमूने खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के अंतर्गत लिए गए। जांच रिपोर्ट प्राप्त होने पर अग्रिम कार्यवाही की जाएगी। फर्म के मैनेजर राधेश्याम सिंह को अखबार का उपयोग तुरंत बंद कर बटर पेपर काम में लेने के लिए पाबंद किया गया। फर्म को इंप्रूवमेंट नोटिस जारी किया जाएगा

जिसकी अनुपालना नहीं करने पर फूड लाइसेंस निरस्त करने की कार्यवाही की जाएगी। टीम में खाद्य सुरक्षा अधिकारी सुशील चोटवानी, विनोद थारवान एवं राजेश नागर शामिल रहे।

16 से मलमासः मांगलिक कार्यों पर लगेगा विराम

जयपुर। (चमकते सितारे) इस माह में 16 दिसंबर से मलमास लग जाएगा। इसके बाद से मांगलिक कार्य नहीं किए जा सकेंगे । खरमास में श्री हरि विष्णु और सूर्य देव की पूजा की जाती हैं, जिससे व्यक्ति के जीवन में समृद्धि और खुशियां आती हैं। सूर्य जब बृहस्पति की राशि धनु या मीन राशि में प्रवेश करते हैं उसको मलमास और खरमास के नाम से जाना जाता हैं। इस बार मलमास की शुरुआत 16 दिसंबर से होगी और 14 जनवरी 2026 को सूर्य के मकर में प्रवेश के साथ मलमास समाप्त हो जाएगा। ज्योतिषाचार्य बनवारी लाल शर्मा ने बताया कि मलमास के दौरान नया घर खरीदना या गृह प्रवेश करना, विवाह, मुंडन संस्कार, यज्ञोपवीत संस्कार, सगाई आदि कार्य करना निषेध हैं। मलमास में सूर्य को जल अर्पित करना, श्री हरि विष्णु और तुलसी की पूजा करना, जप, तप और दान करना, गंगा या अन्य पवित्र नदी में स्नान करना, पशु- पक्षियों की सेवा करना शुभ माना गया हैं।

खरमास समाप्ति के बाद भी विवाह मुहूर्त कमः ज्योतिषाचार्य डॉ. महेन्द्र मिश्रा ने बताया कि सूर्य के धनु से मकर में प्रवेश के साथ 14 जनवरी की रात सूर्य उत्तरायण हो जाएंगे और अगले दिन मकर संक्रांति का पुण्यकाल प्राप्त होगा। इसके बावजूद वैवाहिक मुहूर्त तुरंत शुरू नहीं होंगे। क्योंकि शुक्र अभी भी अस्त रहेंगे। एक फरवरी को शुक्रोदय होगा, किंतु तब तक वे बाल्यावस्था में रहेंगे, इसलिए शुभ मुहूर्त 4 फरवरी से ही प्रारंभ होंगे।

फरवरी 2026 के वैवाहिक मुहूर्तः 4, 5, 6, 10, 11, 12, 13, 14, 19, 20, 21, 24, 25, 26

मार्च 2026 के मुहूर्तः 9, 10, 11, 12, 13, 14

बाघों के साथ जल-जंगल और ज़मीन बचाने के हो प्रयासः राज्यपाल बागड़े

जयपुर। (चमकते सितारे) राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा कि बाप्पा रावल के नाम पर ही रावल पिंडी बना हुआ है। वह मेवाड़ के ऐसे पराक्रमी योद्धा थे जिन्होंने अरब से आए मीर कासिम को ईरान तक खदेड़ा। उन्होंने राजस्थान को वीरों की धरती बताते हुए कहा कि यहां सर्वाधिक बाघ अभयारण्य ही नहीं है, प्रकृति संरक्षण परंपराएं अभी भी जीवंत हैं। उन्होंने बाघों के साथ जल, जंगल और ज़मीन बचाने के लिए भी सबको मिलकर कार्य करने का आह्वान किया। बागडे गुरुवार को जवाहर कला केंद्र में जयपुर टाइगर फेस्टिवल के शुभारंभ बाद संबोधित कर रहे थे। उन्होंने बाघ उत्सव में आयोजित फोटो प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया और वन, वन्यजीव संरक्षण क्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य करने वाले विशिष्टजनों को सम्मानित किया।

राज्यपाल बागडे ने कहा कि बाघों के होने से ही पारिस्थितिकी संतुलन बना रह सकता है। उन्होंने कहा कि बढ़ती मनुष्य आबादी के साथ ही बाघों के प्राकृतिक आवास तेजी से संकुचित हो रहे हैं। उन्होंने बाघ संरक्षण के लिए जागरूकता का प्रसार किए जाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि बाघ अंब्रेला स्पेसिस है। वह रहेगा तभी जंगल और जंगली जीव सुरक्षित रह सकते हैं। इसी से पर्यावरण संरक्षण बना रहेगा। उन्होंने कहा कि देश में बाघ अभ्यारण्य बनने से ही जंगल भी बचे रहे हैं।

राज्यपाल ने कहा कि राजस्थान भक्ति और शक्ति का ही प्रदेश नहीं है, गौ पालन का भी सबसे बड़ा स्थान है। उन्होंने कहा कि दुग्ध उत्पादन में राजस्थान देशभर में दूसरे स्थान पर है। गाय पूजा, गौशाला स्थापना में राजस्थान अग्रणी है। उन्होंने बाघ को विश्व का बहुत सुंदर और शक्तिशाली प्राणी बताते हुए कहा कि विश्व के 75 प्रतिशत बाघों की संख्या अकेले हमारे देश में हैं। उन्होंने कहा कि राजस्थान के रणथम्भौर नेशनल पार्क, मुकुंदरा टाइगर रिजर्व व सरिस्का टाइगर रिजर्व को अच्छी श्रेणी का टाइगर रिजर्व माना गया है। उन्होंने बताया कि राजस्थान में कुल 160 बाघ हैं, जिनमें 144 जंगली और 16 कैप्टिविटी में हैं। रणथंभौर में सबसे ज़्यादा 71 बाघ हैं।

गोविंद देव जी मंदिर में रविवार को श्रद्धालु लगाएंगे करोड़ों हस्तलिखित गायत्री महामंत्रों की परिक्रमा

जयपुर। (चमकते सितारे) परमात्मा से सबकी बुद्धि को सन्मार्ग पर प्रेरित करने के लिए आराध्य देव गोविंद देवजी मंदिर के सत्संग भवन में रविवार, 14 दिसंबर को करोड़ों हस्तलिखित गायत्री महामंत्रों की परिक्रमा की जाएगी। गुरुवार को गोविंद देव जी के चरणों में आयोजन का पोस्टर अर्पित कर कार्यक्रम के निर्विघ्न संपन्न होने की कामना की गई। गोविंद देवजी मंदिर के महंत अंजन कुमार गोस्वामी महाराज के सान्निध्य में मंदिर के सेवाधिकारी मानस गोस्वामी और समाजसेवी अमोल पाठक ने पोस्टर का विमोचन किया। गायत्री शक्तिपीठ में मां गायत्री और गुरु सत्ता से कार्यक्रम को सफल बनाने की प्रार्थना की गई। परिक्रमा सुबह पांच से शाम सात बजे तक की जा सकेगी। परिक्रमा के दौरान ही सुबह नौ से बारह बजे तक निशुल्क पंच कुंडीय गायत्री महायज्ञ भी होगा। यज्ञ की सभी सामग्री मंदिर में उपलब्ध रहेगी। किसी भी तरह का सामान लाने की आवश्यकता नहीं है। निर्धारित समय के दौरान सभी को आहुतियां प्रदान करने का अवसर प्राप्त होगा। जिन लोगों ने कभी भी किसी भी मंत्र की परिक्रमा की उस संख्या के दसवें या सौवें हिस्से के हिसाब से आहुतियां प्रदान कर सकेंगे।

ज्योतिषाचार्य डॉ. महेन्द्र मिश्रा ने बताया कि गायत्री देव माता है अर्थात देवताओं की मां है। गायत्री के 24 अक्षर

अलग-अलग देवी-देवताओं के प्रतीक है। इसलिए एक बार गायत्री मंत्र का उच्चारण करना 24 देवी-देवताओं की परिक्रमा करना है। वृंदावन के प्रसिद्ध संत प्रेमानंद महाराज अपने प्रवचन में कई बार यह बात दोहराते रहे हैं। परिक्रमा के दौरान गायत्री को सिद्ध करने वाले युग पं. श्रीराम शर्मा आचार्य की आवाज में गायत्री महामंत्र का उच्चारण होता रहेगा। गायत्री को सिद्ध करने वाले व्यक्ति की आवाज के साथ जप को 2 हजार 400 गुणा अधिक प्रभावी बताया गया है। यानि 24 गायत्री मंत्र जप की फलश्रुति 24 हजार मंत्र होगी। आज बुद्धि सबके पास है, लेकिन सबके पास सद्बुद्धि नहीं है। गलत विचार ही सारी समस्याओं का मूल कारण है। इन सबका एक मात्र समाधान गायत्री महामंत्र की शिक्षा है। सद्ज्ञान का दूसरा नाम ही गायत्री है। गीता में भगवान कृष्ण ने कहा है छंदों(मंत्रों) में गायत्री वे स्वयं हैं।

गायत्री शक्तिपीठ ब्रह्मपुरी के व्यवस्थापक सोहन लाल शर्मा ने बताया कि छोटीकाशी में हजारों लोग प्रतिदिन गायत्री मंत्र लेखन करते हैं। एक मंत्र लेखन का फल जप की तुलना में दस गुणा अधिक बताया गया है क्योंकि मंत्र लिखने के दौरान शरीर का प्रत्येक अंग सक्रिय रहता है। श्रद्धालुओं को गायत्री मंत्र लेखन के लिए पुस्तिका का निशुल्क वितरण किया जाएगा। गायत्री मंत्र के प्रति श्रद्धा का प्रकटीकरण हो इसके लिए गायत्री चालीसा का भी निशुल्क वितरण किया जाएगा।

नुक्कड़ नाटक के माध्यम सेपीसीपी एनडीटी एक्ट की दी जानकारी

बूंदी। (चमकते सितारे) विकल्प इंडिया सोसाइटी ने 'मुखबिर योजना' के तहत बूंदी जिले में नुक्कड़ नाटक के जरिए लोगों को पीसीपीएनडीटी एक्ट की जानकारी दी। कलाकारों ने बाजार, स्कूल और गाँव के चौक में छोटे-छोटे स्किट्स पेश किए, जिनमें लिंग-आभासी गर्भपात के दुष्परिणाम और सूचना देने पर मिलने वाले प्रोत्साहन-राशि को सरल भाषा में समझाया गया। सोसाइटी के प्रवक्ता ने बताया कि इस पहल का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण-शहरी सभी वर्गों तक पहुँचना है, ताकि लोग बिना डर के अनियमित गर्भ-निर्धारण केंद्रों की शिकायत कर सकें। मुखबिर योजना के तहत अब सूचना देने वाले को दो किश्तों में कुल 3 लाख तक का इनाम मिल सकता है। नुक्कड़ नाटक के बाद आयोजित संवाद सत्र में स्थानीय सामाजिक कार्यकर्ता और विकल्प इंडिया सोसाइटी के कार्मिकों ने भाग लिया, जहाँ उन्होंने पीसीपीएनडीटी एक्ट के प्रमुख प्रावधानों-जैसे अनधिकृत अल्ट्रासाउंड पर प्रतिबंध और उल्लंघन पर सजा के बारे में चर्चा की। इस जागरूकता अभियान को बूंदी क्षेत्र में बेटियों के अधिकारों की रक्षा के लिए जन-सहयोग बढ़ाने की उम्मीद है।

राजस्थान सरकार के दो वर्ष पूर्ण होने पर दो सौ विकास रथ होंगे रवाना: अरुण चतुर्वेदी

जयपुर। (चमकते सितारे) भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश कार्यालय में पार्टी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं वित्त आयोग के अध्यक्ष अरुण चतुर्वेदी और कैबिनेट मंत्री जोगाराम पटेल ने राजस्थान सरकार के दो वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर सरकार की उपलब्धियों, योजनाओं और आगामी जनसम्पर्क कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी दी।

अरुण चतुर्वेदी ने बताया कि राजस्थान सरकार ने लगातार दो वर्षों तक जनसेवा को सर्वोपरि रखते हुए राज्यभर में तेजी से विकास कार्य किए हैं। उन्होंने कहा कि बजट में की गई घोषणाओं को धरातल पर उतारना हमारी प्राथमिकता रही है और अधिकांश घोषणाएँ समय पर पूरी की गई हैं। राज्य सरकार द्वारा किए गए उल्लेखनीय कार्यों और उपलब्धियों को जन-जन तक पहुँचाने के लिए 200

विकास रथ मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा ओटीएस से रवाना किए जाएंगे।

इन रथों के माध्यम से सरकार के कार्यों व उपलब्धियों की जानकारी प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र और पंचायत स्तर तक पहुँचाई जाएगी। प्रत्येक जिले में प्रभारी मंत्री और स्थानीय नेतृत्व इन कार्यक्रमों को आगे बढ़ाएंगे तथा जिलों में आयोजित होने वाले जनसंवाद कार्यक्रमों की नियमित जानकारी प्रेस के माध्यम से साझा की जाएगी। चतुर्वेदी ने कहा कि जिस पारदर्शिता और प्रतिबद्धता के साथ राज्य सरकार ने कार्य किया है, वह राजस्थान को नए विकास मॉडल की ओर ले जा रहा है।

कैबिनेट मंत्री जोगाराम पटेल ने कहा कि दो वर्ष पूर्व राजस्थान की जनता ने हमें सेवा का जो अवसर दिया, उसे मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में पूरी निष्ठा से निभाया गया है। उन्होंने बताया कि बिजली, पानी, सड़क, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे बुनियादी क्षेत्रों में अभूतपूर्व सुधार किए गए हैं। पिछली सरकार के समय पेयजल योजनाएँ वर्षों तक लंबित रहीं, लेकिन वर्तमान सरकार ने उन्हें तत्काल प्रभाव से शुरू कराकर जनता को सीधा लाभ पहुँचाया।

पटेल ने आगे बताया कि राम जल सेतु लिंक परियोजना, यमुना जल समझौता, जवाई बांध व सेई बांध की मरम्मत का कार्य, इंदिरा गांधी नहर परियोजना तथा अन्य जल संसाधन विकास कार्यक्रमों ने प्रदेश में जल संकट दूर करने की दिशा में ठोस परिणाम दिए हैं। ऊर्जा क्षेत्र में भी राजस्थान ने उल्लेखनीय प्रगति की हैद्ध सौर और पवन ऊर्जा में नए रिकॉर्ड स्थापित हुए हैं। इसके साथ ही 22 जिलों में किसानों को दिन में बिजली उपलब्ध कराई जा रही है और वर्ष 2027 तक सभी जिलों में किसानों को दिन में बिजली उपलब्ध कराई जाएगी।

राजस्थान आज सड़क नेटवर्क के मामले में देश के अग्रणी राज्यों में शामिल है। विपक्ष के पास बताने को कुछ नहीं है, जबकि हमारी सरकार के पास कार्य और उपलब्धियों की लंबी सूची है, जिसे अब 200 विकास रथों के माध्यम से जनता के बीच रखा जाएगा। इन दो वर्षों में भजनलाल सरकार ने जिस समर्पण और जज़्बे के साथ काम किया गया है, उससे राज्य का समग्र विकास और भी तेजी से आगे बढ़ेगा। इस अवसर पर भाजपा प्रदेश महामंत्री कैलाश मेघवाल तथा प्रदेश महामंत्री श्रवण बागड़ी भी उपस्थित रहे।

अरिहंत ग्लोबल ने मनाया 12वाँ वार्षिकोत्सव

'मिशन 100 टीम' थीम के साथ ऊर्जा से भरपूर भव्य उत्सव बढ़ता राजस्थान

जयपुर। (चमकते सितारे) डिजिटल सेवाओं, मोबाइल संचार सुविधाओं और आधुनिक तकनीकी समाधानों में अग्रणी संस्था अरिहंत ग्लोबल ने इस वर्ष अपना 12वाँ वार्षिकोत्सव अत्यंत जोश, उत्साह और पारिवारिक वातावरण में मनाया। इस वर्ष समारोह का मुख्य विषय 'मिशन 100 टीम-ऊर्जा के साथ उत्सव' रखा गया, जिसका उद्देश्य आने वाले समय में 100 से अधिक सदस्यों वाली सशक्त, प्रशिक्षित और ऊर्जावान टीम का निर्माण करना, डिजिटल रोजगार सृजन, फ्रेंचाइजी सेगमेंट में प्रवेश करना है। यह भव्य समारोह काश्वी बैंक्वेट, खंडेलवाल ढाबेवाला, जयपुर में आयोजित हुआ, जहाँ संस्था के सभी कर्मचारियों के साथ उनके परिवारजन भी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे, जिससे कार्यक्रम का वातावरण और अधिक आत्मीय व उल्लासपूर्ण हो गया।

समारोह में उद्योग, शिक्षा एवं सामाजिक क्षेत्र के सम्मानित अतिथियों: डॉ. अरुण अग्रवाल, जगदीश सोमानी, मनीष जैन, अंकुर जोशी, मुकुल गोस्वामी, प्रो. त्रिलोक जैन एवं गौमाता सेवार्थ ग्रुप के वरिष्ठ सदस्य-ने अपनी उपस्थिति से कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। सभी अतिथियों

ने अरिहंत ग्लोबल की 12 वर्षों की विकास यात्रा, टीम-संस्कृति, नवाचार तथा समाज के प्रति योगदान की सराहना की। निर्देशक राहुल कुमार जैन ने संस्थान के प्लेटफ़ॉर्म और नई पहलों पर प्रकाश डाला संस्थान के संस्थापक राहुल जैन, सुनीता जैन ने अपने उद्बोधन में अरिहंत ग्लोबल द्वारा विकसित किए गए अनेक प्रमुख डिजिटल मंचों और सेवाओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि मानव इन्वाइट्स, संचार मंच सेवाएँ (सी-पा.एस प्रकार की सेवाएँ) तथा अन्य डिजिटल समाधान, पिछले वर्षों में अनेक संगठनों, संस्थानों और ग्राहकों के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध हुए हैं। उन्होंने इस अवसर पर इस वर्ष प्रारंभ किए गए डिजिटल एम्पावरमेंट ट्रेनिंग प्रोग्राम के बारे में भी विस्तार से बताया।

उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम विशेष रूप से नवउद्यमियों (स्टार्टअप्स) लघु और मध्यम उद्योगों युवाओं के कौशल विकास और तकनीकी दक्षता बढ़ाने के लिए तैयार किया गया है।

इसका उद्देश्य है

युवाओं, उद्यमियों और छोटे व्यवसायों को डिजिटल रूप से सशक्त बनाकर उन्हें रोजगार सृजन, व्यवसाय विस्तार और राष्ट्र निर्माण में सक्षम बनाना। वार्षिक सम्मान समारोह कार्यक्रम के दौरान संस्था में उत्कृष्ट कार्य करने वाले कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। इस वर्ष का वर्ष के सर्वश्रेष्ठ कर्मचारी सम्मान राशिका शर्मा को उनके समर्पण, रचनात्मकता और उत्कृष्ट योगदान के लिए प्रदान किया गया। समारोह में विनोद कुमावत, अंकुर, अंकित जैन, लोकेश मेहरा, आयुषी पाटनी, शैलेन्द्र सिंह, कुलदीप सिंह, अमित गौतम, संजय कंवरिया तथा रवीना जांगिड़-को भी विभिन्न श्रेणियों में सम्मान प्रदान किया गया।

कार्यक्रम का समापन मिशन 100 टीम के संकल्प के साथ हुआ, जहाँ सभी अतिथियों, टीम सदस्यों और उनके परिवारों ने एकजुट होकर भविष्य में नई ऊर्जा, नए नवाचार और मजबूत टीमभावना के साथ और भी ऊँचाइयाँ प्राप्त करने का दृढ़ निश्चय किया।

हनुमानगढ़ में ड्यून एथेनॉल फैक्ट्री पर बवाल जारी

हिंसा में 100 से अधिक नामजद; बाहरी तत्वों की भूमिका की जांच

एथेनॉल फैक्ट्री पर हनुमानगढ़ में बवाल, दीवार तोड़ी—वाहनों में आग

हनुमानगढ़। (चमकते सितारे) हनुमानगढ़ जिले के राठीखेड़ा में निर्माणाधीन ड्यून एथेनॉल प्राइवेट लिमिटेड फैक्ट्री को लेकर मचा विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। बुधवार को हुई हिंसा के बाद गुरुवार को टिब्बी पहुंचे एडीजी वीके सिंह ने कहा कि उपद्रव में बाहरी तत्वों की भूमिका सामने आई है। उन्होंने स्पष्ट किया कि पुलिस ने किसी प्रकार की फायरिंग नहीं की और भीड़ को रोकने के लिए संयम बरता गया।

एडीजी सिंह ने बताया कि हिंसा में शामिल 107 से अधिक लोगों के खिलाफ मुकदमे दर्ज किए गए हैं, जिनमें करीब 30 छोटे-बड़े जनप्रतिनिधियों के नाम भी शामिल हैं। अब तक 40 लोगों को हिरासत में लिया गया है। घटना में 36 से ज्यादा पुलिसकर्मी और बॉर्डर होमगार्ड घायल हुए हैं, जिनमें पांच को गंभीर चोटें आई हैं।

उधर अखिल भारतीय किसान सभा के जिला महासचिव मंगेज चौधरी ने प्रशासन पर लाठीचार्ज का आरोप लगाया और कहा कि पुलिस के हथियार जंग लगे थे, नहीं तो बड़ी जनहानि हो सकती थी। उन्होंने घोषणा की कि 17 दिसंबर को किसान कलेक्ट्रेट का घेराव करेंगे। गुरुवार को टिब्बी के गुरुद्वारा सिंह सभा में बड़ी किसान सभा हुई, जिसमें महिलाओं ने भी हिस्सा लिया। इससे पहले कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं को पुलिस ने सभा तक पहुंचने से रोक दिया था। विधायक रुपिंदर सिंह कुन्नर को भी हिरासत

में लिया गया।

उल्लेखनीय है कि प्रदर्शनकारियों ने फैक्ट्री की दीवार तोड़कर परिसर में प्रवेश किया और कार्यालय में आग लगा दी। इसके बाद पुलिस और किसानों के बीच पत्थरबाजी हुई, जिसमें कांग्रेस विधायक सहित 70 से अधिक लोग घायल हुए। आज भी टिब्बी क्षेत्र में इंटरनेट सेवाएं बंद हैं और फैक्ट्री के आसपास के करीब 30 परिवार घर छोड़कर जा चुके हैं।

मंत्री सुमित गोदारा और जोगाराम पटेल ने हिंसा को प्रायोजित बताते हुए कहा कि यह वास्तविक किसान आंदोलन नहीं था, बल्कि बाहर से आए करीब एक हजार लोगों ने हालात बिगाड़े। उन्होंने कहा कि सरकार वार्ता के लिए तैयार है, लेकिन कानून हाथ में लेने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

कृषि मंत्री किरोड़ी लाल मीणा ने दावा किया कि ड्यून प्लांट पूर्व सरकार के एमओयू के आधार पर स्वीकृत हुआ था। उन्होंने कहा कि किसानों की समस्याएं वाजिब हो सकती हैं, लेकिन हिंसा स्वीकार्य नहीं है।

सीएम भजनलाल ने नव-दम्पति के सफल और सुखमय वैवाहिक जीवन के लिए दी शुभकामनाएं

लक्ष्मणगढ़। (चमकते सितारे) कस्बा निवासी व लक्ष्मणगढ़ डाकघर में एमटीएस रामावतार शर्मा के बड़े बेटे व बेटा पढ़ाओ-संस्कार सिखाओ अभियान के संस्थापक, अध्यक्ष, कवि हरीश शर्मा के बड़े भाई चि.अमित शर्मा व सौ.कां प्रियंका के शुभ विवाह के अवसर पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शुभकामनाएं प्रेषित की। मुख्यमंत्री शर्मा ने नव-दम्पति के सफल और सुखमय वैवाहिक जीवन के लिए मंगलकामनाएं की। शादी समारोह में भाजपा नेता दिनेश जोशी, भाजपा जिलाध्यक्ष मनोज बाटड़, शिवभगवान बगड़िया, गोयनका स्कूल के निदेशक महेंद्र रुहेला, बनवारी मंडीवाल सहित अनेको गणमान्यजनों ने शिरकत की। शादी निमंत्रण पत्र के माध्यम से दिया घायलों का वीडियो ना बनाकर समय से अस्पताल पहुँचाकर मानवता का धर्म निभाने का संदेश -= अमित व प्रियंका ने अपने शादी के निमंत्रण पत्र के माध्यम से बेटा पढ़ाओ-संस्कार सिखाओ अभियान व सड़क दुर्घटना में घायल हुए लोगों का वीडियो ना बनाकर समय से अस्पताल पहुँचाकर मानवता का धर्म निभाने का संदेश देते हुए समस्त देशवासियों से घायलों की मदद व मानवता को बचाए रखनें की अपील की।

किर्लोस्कर ग्रुप ने 'मेड इन किर्लोस्कर' पहल की शुरुआत की

इंजीनियरों, इंजीनियरिंग और मेकिंग की भावना को समर्पित

पुणे। (चमकते सितारे) भारत के सबसे पुराने इंजीनियरिंग समूहों में से एक किर्लोस्कर ग्रुप ने आज मेड इन किर्लोस्कर नामक नई पहल की शुरुआत की- इंजीनियरों और इंजीनियरिंग को समर्पित एक उत्सव के रूप में। इस पहल की शुरुआत एक फिल्म से होती है, जिसमें इंजीनियरिंग नवाचारों के अग्रणी प्रभाव और उन निर्माताओं की कहानी दिखाई गई है जिन्होंने आधुनिक दुनिया का निर्माण किया।

यह फिल्म दुनियाभर के इंजीनियरों को सम्मान देती है, और यह दिखाती है कि सदियों से इंजीनियरिंग ने किस तरह असाधारण उपलब्धियाँ हासिल की हैं। इसका मुख्य संदेश स्पष्ट है- इंजीनियरिंग महत्वपूर्ण है। यही राष्ट्र निर्माण को दिशा देती है, प्रगति को आगे बढ़ाती है, और उस दुनिया की नींव रखती है जिसे हम बनाना चाहते हैं। अब, जब भारत दुनिया की सबसे तेज़ी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक बनने की ओर बढ़ रहा है, यह बातचीत पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक हो गई है। 'मेड इन किर्लोस्कर' सिर्फ एक भावना नहीं, बल्कि समूह के भीतर एक बड़ी पहल भी है, जिसके तहत आने वाले वर्ष में कई कार्यक्रम शुरू किए जाएंगे-उद्योग, सरकार और पुणे की स्थानीय विनिर्माण समुदाय के साथ मिलकर।

इस कैंपेन लॉन्च पर कमेंट करते हुए, किर्लोस्कर ऑयल इंजन्स लिमिटेड और किर्लोस्कर इंडस्ट्रीज लिमिटेड के चेयरमैन अतुल किर्लोस्कर ने कहा... हमारे फाउंडर का मानना था कि सोचने का मतलब तभी होता है जब वह कुछ बनाने की ओर ले जाए। इस विश्वास ने 135 से ज़्यादा सालों तक हमें गाइड किया है, हमारी मशीनों, हमारे आइडिया और हमारी ग्रोथ को आकार दिया है। इंजीनियर इस सफ़र के केंद्र में बने हुए हैं, जो कल्पना को हकीकत में बदलते हैं। 'मेड इन किर्लोस्कर' एक ऐसी भावना है जिसे हम गर्व से आगे बढ़ाते हैं और जो एक बेहतर भविष्य बनाने के हमारे कमिटमेंट को आगे बढ़ाती रहती है।

किर्लोस्कर न्यूमेटिक कंपनी लिमिटेड और किर्लोस्कर फेरस इंडस्ट्रीज लिमिटेड के चेयरमैन राहुल किर्लोस्कर ने कहा, किर्लोस्कर में, हमने देश में बने इनोवेशन पर ज़ोर दिया है-ऐसे क्वालिटी प्रोडक्ट बनाना जो देश को पावर देते रहें। मैन्युफैक्चरिंग हमेशा से हमारी पहचान का केंद्र रही है, और इंजीनियर हमारी सफलता की नींव हैं। आज, हर 20 सेकंड में, एक किर्लोस्कर प्रोडक्ट बिकता है, जो दुनिया भर में खेतों, फैक्ट्रियों, शहरों और समुदायों को सपोर्ट करता है। यह फिल्म हर इंजीनियर को हमारी श्रद्धांजलि है - उन मेकर्स को जिन्होंने न सिर्फ़ हमारी कंपनियों को, बल्कि हमारे देश को भी बनाया है।

1888 से, किर्लोस्कर कंपनियाँ भारत की प्रगति की शक्ति रही हैं- खेतों और फैक्ट्रियों से लेकर शहरों और समुदायों तक-और देश को अनेक ऐसी उपलब्धियाँ दीं, जो अपने क्षेत्र में सर्वप्रथम थीं, जैसे लोहे का हल, सेंट्रीफ्यूगल पंप, डीज़ल इंजन, लेथ मशीन, इलेक्ट्रिक मोटर और एयर कंप्रेसर। इन सभी ने भारत के औद्योगिक परिवर्तन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

मंत्री पटेल के मुख्य आतिथ्य में आज को होगा संभाग स्तरीय 'वाटरशेड महोत्सव' का आयोजन

जयपुर। (चमकते सितारे) संभाग स्तरीय वाटरशेड महोत्सव का आयोजन शुक्रवार, 12 दिसंबर 2025 को प्रातः 11 बजे महाराणा प्रताप सभागार, श्याम नगर दुर्गापुरा, जयपुर में आयोजित होगा। अतिरिक्त मुख्य अभियंता (पदेन परियोजना प्रबंधक), वाटरशेड सेल कम डेटा सेंटर, दिनेश कुमार ने बताया कि संसदीय कार्य एवं विधि न्याय मंत्री जोगाराम पटेल कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत करेंगे। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के अंतर्गत जयपुर संभाग में संचालित 29 परियोजनाओं के लाभार्थियों को योजना की विस्तृत जानकारी उपलब्ध कराने तथा अधिक से अधिक किसानों को योजना का लाभ दिलाने के उद्देश्य से इस कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। कार्यशाला में स्थानीय जनप्रतिनिधियों के साथ-साथ परियोजना क्षेत्रों के कृषक भी सहभागिता करेंगे।

अम्बेडकर डीबीटी वाउचर योजना के लिए आवेदन प्रक्रिया जारी

जयपुर। (चमकते सितारे) राज्य सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग द्वारा संचालित अम्बेडकर डीबीटी वाउचर योजना के वर्ष 2025-26 हेतु आवेदन प्रक्रिया जारी है। विभाग के उपनिदेशक जितेंद्र सेठी ने बताया कि आवेदन करने की अंतिम तिथि 31 दिसंबर निर्धारित की गई है। उन्होंने कहा कि यह योजना सरकारी शैक्षणिक संस्थानों एवं कॉलेजों में स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर पर कला, विज्ञान एवं वाणिज्य संकाय में नियमित रूप से अध्ययनरत विद्यार्थियों को आवासीय सुविधा प्रदान करने के उद्देश्य से संचालित की जा रही है। इच्छुक विद्यार्थी अपनी SSO ID के माध्यम से sso.rajasthan.gov.in और sjms.rajasthan.gov.in पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। आवेदन प्रक्रिया पूर्णतः ऑनलाइन है, जिससे विद्यार्थी सरलता से निर्धारित अवधि में अपना आवेदन प्रस्तुत कर सकेंगे। विभाग ने पात्र विद्यार्थियों से अपील की है कि वे अंतिम तिथि से पूर्व आवेदन कर योजना का लाभ अवश्य उठाएं।

वोट चोर-गद्दी छोड़ महारैली: राजस्थान से पचास हजार कार्यकर्ता दिल्ली रवाना होंगे

जयपुर। (चमकते सितारे) राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वार रूम में गुरुवार शाम आयोजित बैठक में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव (संगठन) के.सी. वेणुगोपाल और कोषाध्यक्ष अजय माकन ने 14 दिसंबर को दिल्ली में होने वाली 'वोट चोरङ्गद्दी छोड़' महारैली की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं ने हिस्सा लिया और रैली के लिए किए गए प्रबंधों की प्रस्तुति सामने रखी। प्रदेशाध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा ने पीपीटी के माध्यम से सभी 200 विधानसभा क्षेत्रों से रैली में भाग लेने वाले कार्यकर्ताओं, नेताओं और वाहनों का विवरण प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि राजस्थान से 50 हजार से अधिक कार्यकर्ता दिल्ली पहुंचेंगे, जो देशभर में सबसे बड़ा जत्था होगा। डोटासरा ने कहा कि प्रत्येक जिले से आने वाले कार्यकर्ताओं की सुविधाओं का ध्यान रखने के लिए

जिला अध्यक्षों और प्रभारियों को विशेष जिम्मेदारी दी गई है। विधानसभा और ब्लॉक स्तर पर समन्वयकों की बैठकें पूरी हो चुकी हैं तथा 12 से 14 दिसंबर तक सभी समन्वयक जमीनी स्तर पर तैयारियां सुनिश्चित करेंगे।

बैठक को संबोधित करते हुए एआईसीसी महासचिव वेणुगोपाल ने कहा कि राजस्थान की तैयारियां संतोषजनक हैं और रैली की सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। उन्होंने कार्यकर्ताओं को समय से पहले रामलीला मैदान पहुंचने की अपील करते हुए कहा कि भाजपा शासित राज्यों में रैली में व्यवधान डालने की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता, इसलिए सभी व्यवस्थाएं मजबूत रखी जाएं।

उन्होंने कहा कि वोट चोरी का मुद्दा केवल कांग्रेस का नहीं, बल्कि पूरे देश के संवैधानिक अधिकारों से जुड़ा प्रश्न है। वेणुगोपाल ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार ने चुनाव प्रणाली को कमजोर करने के लिए कई कानूनों में बदलाव किए हैं। उन्होंने कहा कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने तीन प्रेस कॉन्फ्रेंस कर प्रमाणों के साथ गंभीर सवाल उठाए हैं, फिर भी केंद्र सरकार और चुनाव आयोग मौन हैं। रैली की तैयारियों की समीक्षा के बाद एआईसीसी कोषाध्यक्ष अजय माकन ने कहा कि राजस्थान कांग्रेस ने आयोजन को सफल बनाने में कोई कमी नहीं छोड़ी है। उन्होंने कहा कि एआईसीसी को राजस्थान से बड़ी उम्मीदें हैं और तैयारियां उन उम्मीदों पर खरी उतर रही हैं। बैठक में एआईसीसी प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा, महासचिव भंवर जितेंद्र सिंह, सचिन पायलट, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली, पूर्व प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सी.पी. जोशी, एआईसीसी सचिव चिरंजीव राव, रुत्विक मकवाना, पूनम पासवान, धीरज गुर्जर, दिव्या मदेरणा, रेहाना रियाज चिश्ती सहित प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और अग्रिम संगठनों के प्रदेशाध्यक्ष उपस्थित रहे।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक संपादक मनोज कुमार शर्मा के लिए महारानी प्रिन्टर्स, प्लॉट नं. 17 वैष्णो देवी नगर कालवाड़ रोड जयपुर, राजस्थान से मुद्रित एवं डी-49, सेक्टर 8, विद्याधर नगर, जयपुर - 302039 से प्रकाशित।
सम्पादक : मनोज कुमार शर्मा , E-mail: chamaktesitaare260@gmail.com पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के जिम्मेदार, समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जयपुर। मो. 9828136199